आत्मिक बेसुधी

अब मैं विश्वास करता हूं, अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बातें संभव हैं, अब मैं विश्वास करता हूं;
अब मैं विश्वास करता हूं, अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बातें संभव हैं, अब मैं विश्वास करता हूं।

2 आइये, अब कुछ क्षण के लिए प्रभु के वचन के लिए खड़े ही रहे। आइये, आमोस को खोले, आमोस भविष्यव्यक्ता, तीसरा अध्याय, पहले पद से आरंभ करते हुए।

3 मैं बहन जुनीता और ऐना जीन और बहन मूर को उस सुंदर से सामूहिक गीत को गाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। इसने मुझे यहाँ वापस लेकर लाया, जब मैं वहाँ बैठा हुआ था और इसे सुन रहा था। मैं सोच रहा था, जब वे हमारे साथ थी, एक कार्यक्रम में गा रहे थे, भाई जैक और मैं बात कर रहे थे, वे लड़कियां बहुत ही छोटी सी लड़कियां थी, बस सोलह वर्ष की, कुछ इसी तरह से, वे लड़कीयां ही थी। अब, मैं सोचता है, बहन ऐना जीन के पांच बच्चे हैं, और बहन जुनीता के—के... वो दो बच्चों की माँ है। और हम सचमुच में उस सूर्यास्त के अधिक नजदीक हैं, उस समय उन महिलाओं और हममें सोलह वर्ष का अंतर था। हम उस पार जा रहे है, उस महिमामय समय पर, ज्यादा समय नहीं है।

4 अब आमोस के तीसरे अध्याय में, आइए पढ़ते है।

हे इस्राएलियो, यह वचन सुनो जो यहोवा ने तुम्हारे विषय में अर्थात उस सारे कुल के विषय में कहा है... जिस मैं मिस्र देश से लाया हूं:

पृथ्वी के सारे कुलों में... से मैं ने केवल तुम्हीं पर मन लगाया है, इस कारण... मैं तुम्हारे सारे अधर्म के कामों का दण्ड दूंगा।

यदि दो मनुष्य परस्पर सहमत न हों, तो क्या वे एक संग चल सकेंगे?

क्या सिंह बिना अहेर पाए वन में गरजेंगे? क्या जवान सिंह बिना कुछ पकड़े अपनी मांद में से गुर्राएगा?

क्या चिडिय़ा बिना फन्दा लगाए फंसेगी? क्या बिना कुछ फंसे फन्दा भूमि पर से उचकेगा?

क्या किसी नगर में नरसिंगा फूंकने पर लोग न थरथराएंगे? क्या यहोवा के बिना भेजे किसी नगर में कोई विपत्ति पड़ेगी?

इसी प्रकार से प्रभु यहोवा... अपने दास भविष्यद्वक्ताओं पर अपना मर्म बिना प्रकट किए कुछ भी न करेगा।

सिंह गरजा; कौन न डरेगा? परमेश्वर यहोवा... बोला; कौन भविष्यवाणी न करेगा?

आइये अपने सिरों को झुकाये।

5 प्रभु यीशु, होने पाए ये आपका वचन प्रभु, हमारी संगति आज रात इस भाग के इर्द–गिर्द हो। हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि आप हमें इस पाठ के लिए विषय को दे, जिसे हम यहां से लेकर, और इसे आपके आदर के लिए ला सके। हमें आशीषित करे जैसे आज रात हम आपके वचन पर रुके हुए हैं, प्रभु। बीमारों और पीड़ितों को चंगा करे। खोए हुओ को बचाये। दुर्बल को शक्ति देना प्रभु, दोनों शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से, जो कमजोर होते जा रहे है। और हमें आपकी एक उपस्थिती के उंडेले जाने को प्रदान करे, क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

6 मैं इसमें से एक विषय को आज रात लेना चाहता हूं: *आत्मिक बेसुधी*।

7 भूलना नहीं, कल, इन बीमारो के लिए कल प्रार्थना रखी गयी है। हम परमेश्वर से अपेक्षा करते हैं कि वो कल दोपहर को दो बजे महान कार्य को करेगा, जहां हम... जब हम अपनी सभा को आरंभ करते हैं। यहाँ पर प्रार्थना के कार्डो को देने के लिए भाई खड़ा होगा। और उन सभी के लिए प्रार्थना की जाएगी जो प्रार्थना करवाना चाहते है। और हम प्रभु में कल एक महान समय की अपेक्षा कर रहे हैं।

8 अब आप जो लोग यहाँ पर है, जो शहर के बाहर से आते है। याद रखे, ये ठीक बात है, जो सारे शहर भर में सुसमाचार की कलीसियाये है। आपका स्वागत है, उन सभी जनों का।

9 मैं ऐसे ही अपने एक सहयोगी पास्टरो से बाहर, बात कर रहा था, भाई जैक्सन, औपचारिक रूप से जो एक मेथोडिस्ट कलीसिया से है, जो एक या दो शहर हमसे नीचे की ओर है।

10 और यहाँ पर ऐसे कितने हैं जो इस भवन के साथ जुड़े हैं, आइए हर कही से आपके हाथो को देखे। ओह, मुझे पक्का है—पक्का है कि आप वहां होने के लिए खुश हूं। यह सबसे निकटतम सभा है, जो मैं काफी समय से इंडियाना में रहा हूं। मैं बहुत ही जल्द वापस आने के बारे में सोच रहा था, और हम एक तम्बू को डालकर और प्रभु ने चाहा तोउन सात अंतिम तुरहियां के बारे में बतायेंगे।

11 सो, अब, लेकिन कल याद रखना। इसे मत भूलना कल, दो बजे। और, अब, हमारी अगली सभा अगले सप्ताह से टाम्पा, फ्लोरिडा में आरंभ होगी।

12 अब मैं इस पर बात करना चाहता हूं; *आत्मिक बेसु... बेसुधी*।

13 अब, ये छोटा सा व्यक्ति जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं, आमोस, कुछ समय के लिए, इससे पहले विषय पर जाये हमारी बुनियाद को लेंगे। यह सामरिया में बहुत फलने–फूलने के समय के दौरान की बात थी। इस्राइल फल–फुल गया था। वे असल में संसार के पीछे चले गए थे और फल–फुल गये थे।

14 हमेशा फूलना–फलना एक आत्मिक आशीषो का चिन्ह नहीं होता है, लेकिन कभी–कभी इसके विपरीत होता है। लोग सोचते है कि हो सकता है आपके पास इन बहुत कुछ सांसारिक वस्तुओं का होना, और यह दर्शाता है कि परमेश्वर आपको आशीष दे रहा है। यह सच नहीं है। कभी–कभी ये दूसरी तरह से होता है।

15 लेकिन हम उसे देखते हैं, हम इस छोटे से व्यक्ति के बारे में अधिक नहीं जानते है। उसका, हमारे पास कोई इतिहास नहीं है, वह कहां से आया। हम उसे जानते हैं, यहाँ वचन के अनुसार जो है, वह एक चरवाहा है, लेकिन परमेश्वर ने उसे ऊपर लाया था।

16 मैं कल्पना कर सकता हूं कि वहाँ सामरिया में एक गर्म दिन पर, उस दिन जो संसार के महान पर्यटन शहरो में एक था। ये शहर किसी तो बात के लिए होते है, हम कहेंगे, मियामी या—या हॉलीवुड, लॉस एंजिल्स, इसी प्रकार के उनमें से कोई स्थान, ये पर्यटकों के लिए कुछ बड़े–बड़े स्थान है। और हम केवल उसे देखने की कल्पना कर सकते हैं। वो इस तरह के शहर में कभी नहीं रहने वाला था। लेकिन, उसके पास परमेश्वर का वचन था, वह इस बड़े शहर में आ रहा था, जहां हर तरफ पाप का ढेर लगा हुआ था।

वे सेवक पूरी तरह से परमेश्वर के वचन से दूर हो गए थे, और उनके पास लंबे समय से एक भविष्वव्यक्ता नहीं था।

17 और सो ये छोटा सा व्यक्ति, जब वो पहाड़ी में सबसे ऊपर है, जो तब एक तरह से उत्तर सामरिया है, मैं उसे देखकर कल्पना कर सकता हूं, कि गर्म सूरज ढल रहा है, और उसके चेहरे पर उसकी सफ़ेद रंग की मूंछें है, और उसकी छोटी–छोटी सिकुड़ी आँखें, और उसका छोटा सा, गंजा सिर चमक रहा था, जब उसने उस शहर की ओर देखा था। और उसकी आँखें सिकुड़ी हुई आँखें है। वह आम तौर पर जो पर्यटक देखते है, वो नहीं देख रहा था, कि उस एक शहर में जाकर और इसकी सुंदरता के सारे आकर्षण को देखें। उसने वहां देखा और देखा कि क्या दिखाई पड़ता है, जो वो शहर बन गया था, एक शहर जो एक समय कभी परमेश्वर का शहर था, और इस तरह के ऐसे एक नैतिक रूप से सड गया था। कोई आश्चर्य नहीं...

18 यह छोटा सा, अजनबी व्यक्ति आमोस भविष्यव्यक्ता था। और अब हम उसके बारे में बहुत कुछ नहीं जानते। हमें नहीं जानते कि वह कहां से आया है। वे भविष्यव्यक्ता आमतौर पर दृश्य पर आते है, अज्ञात होते थे, उसी तरह से निकल जाते थे। हम नहीं जानते कि वे कहाँ से आते, वे कहाँ चले जाते, वे उनकी पृष्ठभूमि के बारे में नहीं जानते। परमेश्वर बस उन्हें ऊपर लाता है। वो ऐसा दिखाई नहीं देता था कि उसे देखते, लेकिन उसके पास यहोवा यों कहता है वाला वचन था। यही वो मुख्य बात है जो मैं देख रहा हूं। निश्चय ही, वह अपने अभियान को आरंभ करने के लिए सामरिया आता है। मुझे पक्का है कि उसके पास किसी का सहयोग नहीं था। उसके पास किसी भी संप्रदाय से संगती का कार्ड नहीं था। वो किस समूह से आया है ये दिखाने के लिए उसके पास कोई प्रमाण पत्र नहीं था। और, लेकिन, उसके पास कोई कुछ भी नहीं था, उसके पास उस शहर के लिए प्रभु का वचन था।

19 और मैं सोचता हूं, यदि हम आमोस को आज हमारे समय के लिए लेकर आ सकते, मैं सोचता हूं क्या आज हमारे शहर में उसका स्वागत होगा। मैं सोचता हूं क्या हम उसे ग्रहण करेंगे, या हम वैसा ही करेंगे जैसा उन्होंने किया था। हम अपने शहरों में पाते हैं कि वैसी ही सडावट है। और हम पाते हैं कि लोगों के बीच बस पाप बहुत ज्यादा है, जैसा कि यह तब

था। और मैं सोचता हूं यदि यह छोटा सा, अज्ञात मनुष्य, वह कैसे इस अभियान को आरंभ करने जा रहा है? कैसे, वह कहाँ पर आरंभ करने जा रहा है? वो कौन सी कलीसिया जायेगा, या कौन उसके साथ सहयोग करेगा? उसके पास यह दिखाने के लिए कुछ भी नहीं था कि वह कहाँ से आया है, शहर के लिए यहोवा यों कहता है वाले वचन के आलावा उसके पास कुछ भी नहीं था।

20 उसने उन्हें पाया कि वे बहुत ही ज्यादा सडावट में थे, और नैतिक रूप से भ्रष्ट थे, यह बहुत ही एक बड़ा समय था। उस शहर की महिलाएं लगभग वैसी ही बन गई थीं, जैसे वे संयुक्त राज्य अमेरिका के अंदर हैं। वे भ्रष्ट हो गए थे। हर एक चीज जो परमेश्वर ने उनमें से आशा की थी, वे ठीक दूसरे रास्ते पर निकल गए थे। और—और हम यह पाते हैं कि यह एक बड़ा स्थान था जहाँ वे सड़क पर नाचते थे, महिलाएं अनैतिक रूप से अपने वस्त्रो को उतार रही थी, और इत्यादि, जैसे कि कपडे उतारते हुए नाचना। अवश्य ही, जो उन दिनों में एक सार्वजनिक मनोरंजन था, अब तो यह हर दिन होता है। बस मौसम को गर्म होने दें, और आपको किसी भी तमाशे को देखने नहीं जाना है। वे तो सड़क पर, कहीं भी, किसी भी तरह से होते हैं। आप महिलाओं को शर्म आनी चाहिए, ऐसा काम करते हुए! क्या आपको खुद पर शर्म नहीं आती?

21 और फिर—और तब मैंने कहा जो यहाँ एक महिला थी, ज्यादा समय नहीं हुआ, और उसने कहा, "क्यों," उसने कहा, "भाई ब्रंहम," कहा, "यह, यह—यह बस बाकी महिलाओं की तरह ही है।"

22 मैंने कहा, "लेकिन हमें बाकी लोगों की तरह काम करने वाला नहीं होना चाहिए। हम अलग है। हमारा एक—एक अलग ही चरित्र हैं।"

23 ये मुझे एक महिला की याद दिलाता है, कहा, "ठीक है, भाई ब्रंहम," एक और एक ने कहा, "मैं—मैं—मैं उन छोटे–छोटे कपडे को नहीं पहनती।" कहा, "मैं स्लैक्स (तंग पेंट) पहनती हूं।"

24 मैंने कहा, "यह तो और भी बुरा है।" उंह! "परमेश्वर ने कहा, 'यह एक घृणित बात है,' उसकी दृष्टि में, 'एक महिला के लिए एक वस्त्र को पहनना जो एक पुरुष से संबंधित है।'" यह बिल्कुल सही है।

एक ने कहा, "ठीक है, वे कोई और कपड़ो को नहीं बनाते हैं।"

"वे अभी भी सिलाई मशीन को बनाते हैं और उसके सामान रखते हैं।"

25 कोई बहाना नहीं है। यह तो बस हृदय में होता है। जो बाहर दिखाई देता है। यह—यह खुद की पहचान देता है।

26 और अब हम देखते हैं, इस शहर में, यह नैतिक रूप से सड चूका है। प्रचारक इसके बारे में कुछ भी कहने से डरते थे। और, लेकिन उनके पास छोटा सा, यह छोटा सा बुढा मनुष्य पहाड़ी के ऊपर से आ रहा था, उन्हें यहोवा यों कहता है वाला वचन बताने आ रहा था, "इस बात को साफ करो, या तो तुम बंधूवाई में चले जाओगे।" और वह जीवित रहा ताकि वो उसकी भविष्यवाणी को पूरा होते हुए देखे। उसने दुसरे यारोबाम के दिनों में भविष्यवाणी की, जो बस एक देश से निकाला हुआ था, किसी भी तरह; उसने—उसने अन्य राष्ट्रों का पक्ष लिया। और—और इस छोटे से आमोस ने भविष्यवाणी की और उन्हें बताया, उसने कहा, "आप जिस परमेश्वर की सेवा करने का दावा करते हैं, वही आपको नष्ट कर देगा।" और उसने किया।

27 और यदि उसकी आवाज़ आज रात यहाँ होती, तो बर्मिंघम में... ये कलीसिया के लिए उसी बात की घोषणा करती। "वही परमेश्वर जिसकी आप सेवा करने का दावा करते है, किसी दिन आपको नष्ट कर देगा।" मैं यहाँ इन श्रोतागण के लिए नहीं बोल रहा हूं। ये टेप संसार भर में जाते हैं। अब, याद रखें, यह सच है।

28 तब उसे पता चला, जब वह शहर में आया, कि वो... यह सारी दूसरी चीजे, मैं सोचता हूं कि वह अवश्य ही देखकर कैसे लगा होगा और परमेश्वर के लोगो की सडावट को देखना, जिनके लिए वह भेजा गया था।

29 मैं सोचता हूं कि क्या हम उसे अभी ग्रहण करेंगे? यदि वह आयेगा, क्या हम—हम उसके साथ सहयोग करेंगे? क्या हम उसे अपना—अपना सबसे अच्छा देंगे? क्या हम उकी ओर अपना ध्यान देंगे? क्या हम पश्चाताप करेंगे यदि वो हमें बताता है कि हमें प्रभु के वचन पर वापस जाना चाहिए और उसी तरह से करना चाहिए जैसे प्रभु ने कहा?

30 मैं सोचता हूं कि हमारी बहनें अपने कटे बालों के बारे में क्या करेंगी? क्या वे अपने बालों को फिर से बढ़ने देंगी, यदि आमोस आ जाता है? वो इसे प्रचार करेगा, और मैं आपको यह बता रहा हूं, क्योंकि यही प्रभु का वचन है।

31 मैं—मैं सोचता हूं कि यदि हमारे—हमारे बोर्ड उन डिकन को वहां रखते हैं, जिसने तीन या चार बार विवाह किया हैं, और—और इसी तरह से इत्यादि, और डिकन बनने की कोशिश करते है, मैं सोचता हूं कि यदि ये सारी चीजें होती है। मैं सोचता हूं कि वह उस व्यक्ति के लिए क्या करेगा जो अपनी पत्नी को छोटे कपड़ो को पहनने देता है और वहां बाहर रास्ते में जाने देता है, और वहां बाड़े में घास काटने देता है, बाहर बाड़े में, जब पुरुष वहां से गुजर रहे होते है? मैं सोचता हूं कि वह इस तरह के पुरुष को क्या कहेंगा?

32 वह निश्चित रूप से इसे फटकार देगा, उस सब बातों के साथ जो उसमें थी क्योंकि उसके पास यहोवा यों कहता वाला वचन था, और वह इसके सिवाय और कुछ नहीं कर सकता। उसने उस दिन उन्हें एक बीमारी की बुरी परीस्थिती के साथ पाया, आत्मिक बेसुधी, और ठीक बिल्कुल ऐसा ही, जो आज हमारे पास है।

33 अब, उसने कैसे जाना था कि क्या घटित होने जा रहा था? आमोस कैसे जानेगा? पहले तो, वह एक भविष्यव्यक्ता था। और, अगली बात, वह बीमारी के द्वारा जानता था जो बीमारी निरीक्षण हुई थी, और वह जान जायेगा कि परिणाम क्या होना था।

34 यदि कोई डॉक्टर घातक चीज को देखता है और यह देखता है कि उसघातक चीज ने एक पकड़ को ले लिया है, वह जानता है कि वहां मृत्यु के अलावा कुछ भी नहीं है। ऐसा ही है, जब तक कि परमेश्वर इसके बारे में कुछ नहीं करे।

35 ठीक है, जब आप किसी शहर को देखते हैं, और आप लोगों की ओर देखते हैं, आप कलीसिया की ओर देखते हैं, और वहां लोगों की ओर देखते हैं जो परमेश्वर से दूर हैं, वहां निरीक्षण करने के अलावा और कुछ नहीं है, लेकिन "पाप! 'पाप की मजदूरी मृत्यु है।' ये मर रहा है।" निरीक्षण यह साबित करता है कि यह क्या है। आप देखना, जब लोग परमेश्वर से दूर हो जाते है, और वचन को नहीं सुनते, उसके वचन के लिए कोई अधिक इच्छा नहीं है, तब इसका एक निरीक्षण होता है, "'वो प्राण जो पाप करता है, वह प्राण मर जाएगा।' अविश्वास आपको परमेश्वर से अलग कर देगा।" यह बिल्कुल सही बात है।

36 वह, ये जानता था कि बीमारी क्या थी, परिणाम क्या था, जब उसने शहर में पाप की—की बीमारी को देखा।

37 अब, ये बेसुधी... हमें बताया कि यह एक—एक—एक... क्योंकि आप एक स्थान पर होते है जहाँ आप अपने आप को पहचान नहीं सकते। अब, ये एक असाधारण बात है। ऐसा अक्सर नहीं होता है, लेकिन ऐसा सदमे के कारण से होता हैं। यह किसी को तो होता है जो यह भी नहीं जानता कि वो कौन हैं। आप इसे कभी–कभी लड़ाईयों में देखते हैं, ये सैनिकों को होता है। कभी–कभी ये लोगो को हो जाता हैं। एक और चीज इसका कारण बनती है, वो है चिंता। चिंता इसका कारण होती है।

38 चिंता का इसके लिए कोई गुण है ही नहीं। जी हाँ, बस—बस—बस चिंता को छोड़ दे, और विश्वास को स्वीकार करें।

39 किसी ने कहा, "अच्छा, अब, क्या हो यदि तुम्हे सुबह को गोली मारने जा रहे है, तो क्या तुम्हे चिंता नहीं होगी।"

मैंने कहा, "नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।"

"क्यों? "

मैंने कहा, "चिंता कुछ भी नहीं कर सकती है सिवाय मेरी हालत को और ख़राब करने के।"

"तो ठीक है, विश्वास रखने से क्या भला होना है? "

मैंने कहा, "ये मुझे छुड़ा सकता है।" और यह सही बात है, देखा।

40 इसलिए चिंता का इसके लिए कोई गुण है ही नहीं, लेकिन विश्वास के पास सारे गुण है। विश्वास करे!

अब चिंता कभी–कभी इसका कारण होता है।

41 और एक और चीज़ है, जो लोगों के बीच इसका कारण बन रही है, वह है दो राय या मत के बीच में होना। जो बेसुधी का कारण होगा। और यह आपको एक ऐसे स्थान पर लाता है जहाँ आप—आप वास्तव में, आपने जो किया है, आपने अपने तर्क–वितर्क को खो दिया है। आपने अपना दिमाग खो दिया है। आप नहीं कर सकते... आप नहीं जानते कि आप कौन हैं। आप स्वयं की पहचान नहीं कर सकते है। आप यहाँ–वहां घूम सकते हैं, खा सकते हैं और सब कुछ, लेकिन, आप, फिर भी आप अपनी पहचान नहीं कर सकते। आपके पास आपकी विद्वान से भरी शिक्षा है, आप कर

सकते हैं... आपके पास वही शिक्षा होनी है, लेकिन आप यह नहीं जानते कि यह कहाँ से आयी है, आप नहीं जानते कि आप कौन हैं, आप कहाँ से हैं। यह भूलने की बीमारी है, जैसा हमें बताया गया है।

42 हम अपने परिवारों के साथ, इस मानव जीवन में, विवाह के द्वारा पहचाने जाते हैं। और हमारी पत्नियों के साथ, हम विवाह करते हैं, और हमारे परिवार की पहचान हमारे—हमारे—हमारे विवाह से हमारे एक होने के द्वारा होती है। और उसके बाद, ऐसा सोचे, क्या हो यदि यह भयानक चीज आपके साथ घटित हो और आप याद नहीं कर पाये कि आपने किससे विवाह किया है, आपकी पत्नी कौन है, आपके बच्चे कौन से हैं, आपके पिता और माता कौन है, आपका पड़ोसी कौन है? यह तो एक—एक भयानक बात होगी।

43 उसके बाद हम पहचाने जाते हैं, फिर से, मनुष्य जाति में अपनी पहचान को बना सकते हैं, बुद्धिमत्ता होने के द्वारा, और—और जो जानवर जीवन से अलग होने पर होती है। जानवर तो सोच भी नहीं सकता, वह तो केवल आवाजो से आगे चलता है। उसके पास प्राण नहीं होता है। और, लेकिन, हमारे पास जानवर का जीवन हैं। हमें क्या चीज अलग बनाती है... हम एक स्तनधारी है, लेकिन क्या... वह स्तनपायी गर्म खून वाला (जोशीला) जानवर है, और हम जानवर की आकृति में हैं। लेकिन क्या चीज हमें अलग बनाती है, हम एक प्राण होने के द्वारा पहचाने जाते है, एक विवेक जो हमें बताता है कि क्या सही और गलत है।

44 अब एक स्थान है, जब आप इस बेसुधी में चले जाते हैं, तो आप नबूकदनेस्सर के जैसे हो सकते हैं, यह वही था, जिसने खुद को एक बार ऊँचा किया, और परमेश्वर ने उसे सोचने को लगाया कि वह एक जानवर था। और वह जंगल में रहने लगा था और—और बैल की तरह घास को खाया। और—और उसके शरीर के बाल बढने लगे, जैसे उकाब के पंख होते है, और उसके पास उसमें एक पशु का ह्रदय बन गया था। समझे? वह बेसुधी थी, क्योंकि वह भूल गया था कि वो एक राजा था। वह भूल गया था कि वह एक मनुष्य जाति था। और उसने सोचा कि वह एक जानवर था, इसलिए उसने एक जानवर की तरह व्यवहार को किया, क्योंकि वह भूल गया कि वह एक मनुष्य जाति है।

45 यही आज बहुत ही आसानी से होता है। और हम कभी–कभी भूल जाते हैं, मसीही कलीसिया क्या है। हम संसार की तरह व्यवहार करते हैं। यह दिखाता है कि हमें आत्मिक बेसुधी हो गयी है, क्योंकि आप मसीह की तरह व्यवहार नहीं करते हैं। आप संसार की तरह व्यवहार करते है। आप संसार के ह्रदय को लेते हैं, और यह इसका कारण बनता है।

46 यहाँ हम—हम देखते हैं कि इस्राएल उजागर हो गया, संसार के सामने उजागर हो गया, और इस खड्डे में गिर गया था। और इस भविष्यव्यक्ता को उन्हें खोदकर निकालने के लिए भेजा गया था, यदि वह इसे कर सकता था, और उन्हें बताने के लिए। परमेश्वर उसके अनुग्रह के द्वारा धरती पर बाकी के सारे परिवारो में से इस्राएल को चुनता है। अनुग्रह ने ऐसा किया था। उसने उन्हें उनके पसंद की जमीनों को दिया था। उसने उन्हें घर दिए जो उन्हें कभी भी बनाना नहीं था। परमेश्वर ने ऐसा ही किया, उन्हें चुना। उसने उन्हें खेत दिए जिसे उन्होंने कभी नहीं खरीदे था। उसने—उसने उन्हें दिया, उसने उन्हें भोजन दिया, जो उन्होंने कभी नहीं लगाया। उसने उन्हें कुएँ दिए जो उन्होंने कभी नहीं खोदे थे। उसने उन्हें विजय दिलाई जिसे उन्होंने कभी नहीं जीता था। उसने उन्हें अनुग्रह दिया जिसके वे कभी भी योग्य नहीं थे। परमेश्वर ने यह उसके अनुग्रह के द्वारा इन लोगों के लिए किया, जो इस्राएल है, उसका चुना हुआ, उसका प्रिय।

47 और उसने बाइबल में कहा, "उसने उसे एक छोटी लड़की के रूप में खुले मैदान में पाया, अपने ही लहू में बैठी हुई, और उसने उसे धोया और उसे साफ किया, और जो उसने किया था। लेकिन परमेश्वर इन सारी दया को उसके लिए दिखाने के बाद और वह धनी हो गयी," उसे भूलने की बीमारी हो गई, बेसुधी "और वह सब भूल गई कि यह चीजें सारी कहाँ से आयी है।"

48 मैं सोचता हूं कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका के, 1964 की तस्वीर है। यह उसी बीमारी के साथ पीड़ित है। हम एक महान सामर्थ से भरी कलीसिया हैं। हम एक महान, सामर्थ से भरे लोग हैं। हम लाखों की संख्या में हैं, और हम भूल गए हैं कि ये चीजें कहां से आयी हैं।

49 उनके पास इसकी बुरी स्थिती थी। परमेश्वर उनके लिए अच्छा होने के बाद, और उन्हें मूर्तिपूजक देशो से उठाकर लेकर आने के बाद, और उन्हें अलग लोग बनाया, उन्हें खुद से अलग किया। उसने कहा, "उसने

एक दाखलता को दूसरे देश से लिया और इसे किसी और दूसरे देश में लगा दिया, और कैसे उसने यहाँ वहां लगाया ताकि फल को बढ़ाये और फलवंत बने, लेकिन दाखलता भूल गयी कि इसकी आशीषे कहां से आती है।"

50 वैसे ही परमेश्वर के लोग हो चुके है, इन अंतिम दिनों में, भूल गए हैं कि मसीह होने की गवाही का क्या मतलब है। यह फिर से, यह बेसुधी है, जो लोगों के ऊपर है। वे खुद को पहचान नहीं सकते।

51 वे, वे इसके बारे में सब भूल गए है। वे अपने पवित्रता को भूल गए थे। वे उसके नियम को भूल गये थे। वे स्त्रियाँ बाकी की स्त्रियों की तरह जीवन को जी रही थीं।

52 परमेश्वर की कलीसिया और उसके लोग हमेशा से ऐसे ही रहे हैं, "एक अलग किये हुए लोग, एक—एक बाहर बुलाये हुए लोग, एक विशेष लोग, एक पवित्र राष्ट्र, एक शाही याजकगण; जो परमेश्वर को आत्मिक भेंट चढाते, उनके होठों के फल, उसके नाम की स्तुती करते हुए।" परमेश्वर ने अपनी कलीसिया को बुलाया और इसे संसार से अलग कर दिया, उसी उद्देश्य के लिए। और वह इसे एक नियम देता है, और वो, यह, पवित्र होना ही है। उसने कहा, "मैं पवित्र हूं, और तुम्हें पवित्र होना अवश्य है, और बिना पवित्रता के कोई मनुष्य प्रभु को नहीं देखेगा।" परमेश्वर ने इसे स्वयं कहा।

53 और उसने इन लोगों को बुलाया था ताकि वे इस प्रकार के लोग बने, लेकिन वे इसके बारे में भूल गये थे। वे उसके नियम को भूल गए थे, और वे उनके नैतिकता को भूल गए। वे स्त्रियाँ जो रास्ते पर थी, इस्राइली स्त्रियाँ वहां बाहर थी, हर एक उस पवित्र आत्मा के—के द्वारा गर्भवती होने की अपेक्षा कर रही थी, ताकि मसीहा को लेकर आए, और फिर उनका उसी तरह से व्यवहार करना। उनका चरित्र भद्दा था।

54 मैं यहां एक मिनट के लिए रुकना चाहता हूं, यह कहने के लिए कि हमारे बीच में भी आज उसी तरह की बात है, जो लोग खुद को मसीह कहते हैं। उनका चरित्र, यदि आपको केवल ये एहसास हो जाये!

55 एक समय, दक्षिण में। मैंने वहां की एक कहानी को पढ़ा, जहाँ जब उनके पास हमेशा गुलाम हुआ करते थे। वे उन लोगों को लेकर और उन्हें बाजार में बेच देते थे, जैसे आपकी एक इस्तेमाल की गई कार होती है। और फिर एक खरीदार होता था, दलाल होता था, जो वहां आकर इन

गुलामों को उठाकर ले जाता और उनका व्यापार करता, और वैसे ही जैसे कि आप एक कार या किसी चीज का करते होंगे।

56 और वे गुलाम अपने देश से दूर थे। वे अफ्रीका से थे। वे बोअर (दक्षिण अफ्रीका के किसान) उनका अपहरण करके, उन्हें यहां द्वीपों पर लाते, और फिर उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी करके और जमैका और आसपास से गुलाम करके बेच देते।

57 अब हम देखते हैं कि वे लोग दुखी थे। उनका अपने ही घर से अपहरण कर लिया गया था। उन्हें कुछ शत्रु के द्वारा उठा लिया गया था, और वे दुखी थे। वे कभी भी अपने पति को नहीं देखेंगी, या उनकी पत्नी को वे अब और नहीं देखेंगे, उनके पिता और माता, उनके बच्चो को। वे पूरी तरह से... वे उन्हें चाबुक से कोढ़े मरते, ताकि उनसे काम करवाये, क्योंकि वे दुखी लोग थे।

58 और एक दिन, एक दलाल, किसी एक बस्ती में आया, उसने एक गुलामो का झुण्ड देखा जो वहाँ काम कर रहे थे। और उसने—उसने वहां जाकर और मालिक से पूछा, कहा, "आपके पास कितने गुलाम है? "

कहा, "लगभग सौ।"

कहा, "आपके पास कोई है जिसे हेराफेरी करेंगे या बेचेंगे? "

उसने कहा, "हां।"

कहा, "मुझे उन्हें देखना है।"

59 और वह मैदान में गया और उन्हें देखा, और उनको हर कहीं कोडे लगे हुए है। और कुछ देर के बाद उसने एक युवक को देखा उन्होंने उसे कोड़ा नहीं मारा था, उसकी छाती तनी हुई थी और उसकी ठुड्डी ऊपर की ओर थी; उसे कोड़े नहीं मारा गया था। सो दलाल ने कहा, "मैं उस गुलाम को खरीदना चाहता हूं।"

और उसने कहा, "लेकिन वह बिकाऊ नहीं है।"

60 उसने कहा, "ठीक है, उस गुलाम में क्या फर्क है? " कहा, "क्या वो गुलाम उनमें से बाकी के ऊपर मालिक है? "

उसने कहा, "नहीं, वह तो सिर्फ एक गुलाम ही है।"

उसने कहा, "ठीक है, हो सकता है कि आप उसे अलग ही खिलाते हो।"

उसने कहा, "नहीं, वह बरामदे में बाकी के गुलामों के साथ खाता है।"

61 उसने कहा, "अच्छा, वो क्या बात है जो उसे बाकी के गुलामों से बहुत अलग बनाती है? "

62 उसने कहा, "ठीक है, यह मैं भी बहुत समय से सोच रहा था। लेकिन एक दिन मुझे खबर मिली, कि, वो जन्म भूमि, जहाँ से वह आया है, उसके पिता पूरे जाति के राजा थे। और भले ही वह एक परदेशी है, और घर से दूर है, फिर भी वह जानता है कि वो एक राजा का बेटा है, और वह—वह खुद का आचरण एक राजा के बेटे की तरह करता है।"

63 मैंने सोचा, "लेकिन, यदि, एक नीग्रो अफ्रीका से आता है, और जानता है उनके पिता एक जनजाति और एक जाति के राजा थे, इसे एक मसीह क्या करना चाहिए, जिनका फिर से जन्म हुआ है, एक पुरुष या एक स्त्री हो, कि हमारा पिता महिमा में स्वर्ग का राजा हैं!" हमें स्वयं का आचरण मसीह पुरुषो या स्त्रीयो की तरह करना चाहिए। हमें इसकी तरह व्यवहार करना चाहिए, इसके जैसे कपड़े पहनना चाहिए, बात करना, इसके जैसे जीना। हालाँकि हम एक परदेशी हैं, फिर भी हम राजा की संतान है। आमीन।

64 इन दिनों में हमारा चरित्र, हमारा नैतिक पतन, जिसमें हम अभी रह रहे हैं! इस्राएल उसी खड्डे में गिरा था, और अनैतिक भी था। वे परमेश्वर के नियमों को भूल गए थे, "तुम व्यभिचार मत करना, और तुम अपने पड़ोसी की पत्नी की अभिलाषा मत करना," और इत्यादि। वे उन व्यवस्थाओं को भूल गए थे। वे—वे—वे इसे और अधिक नहीं चाहते थे, और वे—वे बाकी के संसार की तरह बनना चाहते थे, बिल्कुल वैसे, जैसे कि आज कलीसिया हो गयी है।

65 एक समय, इस्राएल, जब उन्होंने आरंभ किया था, वे इसके ऊपर एक राजा को चाहते थे। शमूएल ने उनसे कहा, जो भविष्यव्यक्ता था उनके पास भेजा गया था, उसने कहा, "अब क्या मैंने तुम्हें कभी प्रभु के नाम पर ऐसा कुछ भी बताया है पर वो पूरा नहीं हुआ हो? "

उन्होंने कहा, "नहीं, तुमने ऐसा नहीं किया है।"

66 "क्या मैंने कभी आपसे मेरे भोजन और पैसे के लिए मांग की है, आपके भी पैसो के लिए मुझे जीने के लिए मांग की है? "

67 "नहीं, तुमने ऐसा नहीं किया है। तुमने हमें ऐसा कुछ भी नहीं बताया, शमूएल, जो पूरा न हुआ हो और तुमने कभी भी तुम्हारे जीने के लिए हमसे

हमारे पैसे नहीं मांगे। लेकिन, फिर भी, हम किसी भी तरह से राजा को चाहते हैं।"

68 परमेश्वर ने शमूएल से कहा, "उनके पास राजा होने दो। उन्होंने तुमसे मुंह नहीं मोड़ा; उन्होंने मुझसे मुंह मोड़ा है।"

69 इस्राएल अब उसी आकार में आ गया था। वे परमेश्वर के भविष्यव्यक्ताओ को अब और नहीं चाहते है। उन्हें उनकी आवश्यकता नहीं थी। और यदि कोई आ जाएगा, और उनके लिए वचन को लाता है, और उन्हें वचन में वापस लाने की कोशिश करता है, वे इसे अस्वीकार कर देंगे। वे हमेशा ही ऐसा करते हैं, उस भ्रष्टता के ढंग से।

70 जब संसार और कलीसिया आपस में जुड़ते हैं, तब वे कुछ भी आत्मिक नहीं चाहते। वे यहोवा को नहीं चाहते। वे यहोवा यो कहता है वाले वचन को नहीं चाहते हैं। वे वो चाहते है जो उन्हें चाहिए। वे संसार को चाहते हैं, और यह कहना चाहते हैं कि वे मसीह है; और संसार में जीते हैं, और संसार के साथ रहते हैं, और फिर भी एक मसीह होने के अपने अंगीकार को बनाए रखते हैं। आप जानते है, कि ये जो चीज है, यह आत्मिक बेसुधी है। ये बिल्कुल वही है, जो ये है। वे नहीं जानते कि वे कौन हैं। वे भूल गए है कि उन्हें क्या करना चाहिए।

71 यदि आज कोई एक इस तरह से आएगा, तो उसे उसी प्रकार से अस्वीकार कर दिया जाएगा। उनके पास इसकी एक बुरी बीमारी थी, और वैसे ही आज उनके पास है। वे अब और अलौकिक चीजों के साथ खुद की पहचान नहीं दे सके, क्योंकि वे इसे नहीं चाहते थे। वो वचन, सुसमाचार, वे इसे नहीं चाहते थे। पाप की बीमारी ने उन्हें पीड़ित कर दिया था, और उन्होंने इसे पसंद किया था।

72 पाप अपरिवर्तन ह्रदय के लिए सुखद होता है। यह अपरिवर्तन मन को अच्छा दिखाई देता है, लेकिन यह मृत्यु का मार्ग है। वहां कुछ नहीं बचता है सिवाय मृत्यु के। "पाप की मजदूरी मृत्यु है," और आप अवश्य ही उन मजदूरी को काटोगे। आपने हवाओं को बोया है, और अब बवंडर को काट रहे हैं।

73 आत्मिक चिन्ह और परमेश्वर की ओर से एक ठहराया हुआ, संदेशवाहक का प्रचार, उन्हें कभी अब और नहीं उकसाता है। स्त्रीयां ठीक उनके मुंह पर हंस सकती थीं, और कहती, "मुझे इस प्रकार की चीजों

को सुनने के लिए नहीं जाना है।" क्या ऐसा फिर से दोहराया नहीं गया है! यह क्या है? आत्मिक बेसुधी, वास्तव में ये ऐसा ही है। वे भूल गए हैं कि परमेश्वर और उसका वचन एक ही है, और वो इसे बदल नहीं सकता।

74 यदि कोई भविष्यव्यक्ता उन दिनों में उठकर और आत्मिक चिन्ह को देता, एक आत्मिक आवाज, और इसके पीछे परमेश्वर की आवाज को दिया, वे बस इस पर हंस पड़ते और इसका मजाक बनाते।

75 आप पुरानी कहावत को जानते हैं, "मूर्ख लोग कील के जूतो के साथ चलेंगे जहां दूतों को पांव रखने से डर लगता है।" यही है जो ये आत्मिक बेसुधी करती है। यह लोगों को उस स्थान तक लेकर आती है, जहां उनमें, उन्हें अंदर से कोई एहसास नहीं होता है। वे ऐसा कुछ नहीं चाहते जो आत्मिक हो।

76 एक वास्तविक आत्मिक सभा को लें, जहाँ पवित्र आत्मा बिमारो को चंगा कर रहा है और विचारो को पहचान रहा है जो हृदय में हैं, और इसे सारी कलीसियाओ के बीच में रख देता है, बस यहाँ इस स्टेडियम पर एक बड़े जमघट में, और देखे क्या होगा। कुछ ही मिनटों में, हर कोई उठ खड़ा होकर और बाहर जाने लगेगा। उनका इससे कोई लेना–देना नहीं है। वे इससे कोई लेना देना नहीं रखना चाहते है। वे कुछ बौद्धिक बातो को सुनेंगे।

77 लेकिन जब यह यीशु मसीह की सामर्थ और उसके पुनरुत्थान की बात आती है, और पवित्र आत्मा, वे इसके साथ कुछ लेना देना नहीं रखना चाहते हैं, क्योंकि यह उनको दोषी ठहराता है। यह उस चीज के साथ उन्हें उत्तेजना में रख देती है जिसे उन्हें जानना चाहिए। कोई ताड़ना, अवश्य ही, ऋतु के लिए सुखद नहीं होती है। लेकिन, इसे, यदि आप इसे समर्पण कर देंगे, तो यह—यह पश्चाताप के फल को लाता है। इसलिए हम देखते है, जब यह आत्मिक बेसुधी लोगों को पकड़ लेती है, तब वे—वे एक बुरी अवस्था में होते हैं। अब हम उसी तरह से पाते हैं। अब मैं चाहता हूं...

78 आपको अवश्य ही पहचाना जाना है। कहीं तो, आपको अवश्य दिखाना है। आपका जीवन दिखाता है, आज रात, जहाँ से आप पहचाने जाते हैं। आप या तो मसीह में पहचाने जाते हैं या तो मसीह से बाहर। आप आधे–आधे प्रकार के नहीं होते है। वहां ऐसी कोई चीज नहीं जैसे अपने आपे में होकर नशे में चूर मनुष्य हो। कोई काला सफेद पक्षी नहीं है। आप या

तो बचाये गए हैं या आप नहीं बचाये गये हैं। आप एक संत है या एक पापी हैं, दोनों में से एक, और परमेश्वर के वचन के प्रति आपका आत्मिक दृष्टिकोण आपकी सही–सही पहचान को देता है कि आप कहाँ पर खड़े हो। सही है!

79 परमेश्वर का वचन प्रमाणित हुआ है, यह साबित हुआ है कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा बिल्कुल उसी तरह है जैसे यह हमेशा पेंटीकोस्ट के दिन या किसी और समय पर रहा था। और यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। और आपका इसके प्रति दृष्टिकोण जो आपकी पहचान देता है कि क्या आपको आत्मिक बेसुधी है या नहीं है। ये सही बात है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक डिकन हो, या भले ही आप एक प्रचारक हो, इससे... हाँ, उन्हें भी ये बीमारी लगती हैं। तो हम देखते हैं, यह संक्रामक है और हर चीज को पकड़ लेती है। अब हम ध्यान देते हैं।

80 अब, एक अमेरिकन होने के लिए। अमेरिकन होने के लिए, मुझे मेरे राष्ट्र के साथ पहचाना जाना अवश्य है। अब ध्यान से सुनना। एक अमेरिकी होने के लिए, जब मैं यहां इस देश में जन्मा हुआ हूं, मैं एक नागरिक बन जाता हूं, और मैं इस राष्ट्र के साथ पहचाना जाता हूं। ये जो कुछ है, मैं हूं। यह जो कुछ रहा है मैं हूं। क्योंकि मुझे एक अमेरिकी के रूप में पहचाना जाता है, तब मुझे इसकी सारी लज्जा को लेना है, इसकी सारी महिमा को लेना है। जो कुछ ये है, मैं हूं, क्योंकि मैं इसके साथ पहचाना गया हूं। आमीन। मैं चाहता हूं कि आप इसे पकडे। मुझे एक अमेरिकी नागरिक के रूप में पहचाना जाता है, तब यह जो कुछ था, मैं हूं। यह जो कुछ है, मैं हूं। मुझे इसका भागीदार होना ही है। मुझे... यदि मैं एक अमेरिकी नागरिक हूं, तो मैं अमेरिका का भागीदार हूं। और जो कुछ यह है, मैं हूं।

81 मुझे अवश्य ही इसे कभी नहीं भूलना है। यदि मैं एक सच्चा अमेरिकी नागरिक बने रहना चाहता हूं, मुझे अवश्य ही याद रखना है कि मैं वही हूं जो मेरा राष्ट्र है, क्योंकि मैं अपने राष्ट्र के साथ पहचाना जाता हूं। उसे भूल जाना, या—या... उसके लिए लड़ना, या उसके लिए मरना, या उस सभी के लिए खड़ा होना, जिसके लिए वो खड़ी होती है, मुझे इसके लिए खड़ा होना ही है। जो मेरा राष्ट्र है, मैं हूं। यह जिसके लिए खड़ा है, मैं उसके लिए खड़ा हूं। एक वफादार अमेरिकी होने के लिए, मैं इसके लिए मरने को तैयार रहूंगा, इसके लिए लड़ना, इसके लिए खड़े रहना है, कुछ भी करूंगा ये

वहां है। मैं इसका भाग हूं। आप मुझे लिए बिना, उसे नहीं ले सकते है। जब आप इसके विरोध में कुछ तो कहते है, आप इसे मेरे विरोध में कहते हैं, क्योंकि मैं एक अमेरिकी हूं। आपके विरोध में कहना, अमेरिकी के रूप में, और जो वे इसे राष्ट्र के विरोध में कहते हैं, क्योंकि आप इसका एक भाग हैं। आप इसे कभी नहीं भूलें; जब आप भूलते हैं, तो आपको बेसुधी हो जाती है, निश्चय ही अधिक।

82 और याद रखें, जब आप इसका भाग नहीं बन सकते हैं, तो आप और अधिक अमेरिकी नागरिक नहीं होंगे। आपको बनना ही है। जो अमेरिका है, आपको भी होना अवश्य है। मुझे उसका भागीदार बनना ही है। यह मेरा राष्ट्र है, मुझे उसका भागीदार बनना ही है। जो वह है, मैं हूं। देखो, वह क्या था, मैं हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह क्या था, मैं अभी भी वही हूं, जो वह था।

83 एक अमेरिकी होने के नाते, मैं उसके साथ, पूर्वजों के साथ प्लायमाउथ रॉक पर उतरा। मुझे उतरना था; मैं उसका भाग हूं। मैं पॉल रेवरे के साथ सवार हुआ उसके खतरों की चेतावनी देने के लिए। यदि मैं एक वास्तविक अमेरिकी नागरिक हूं, तो मैं प्लायमाउथ रॉक पर उतरा। मैं पॉल रेवरे के साथ सवार हुआ, उसे उसके चेतावनी से आगाह करने के लिए। क्या आप समझते है, अब मेरा क्या अर्थ है?

84 मैंने बर्फीले डेलावेयर को जॉर्ज वाशिंगटन के साथ पार किया, उसके नंगे पैर सैनिक के साथ। मैं वहां पर था, क्योंकि मुझे इस राष्ट्र के साथ पहचाना गया था। उसने वहाँ जो किया वहां पर मेरा भाग था; अब मैं जो करता हूं, वह उसका भाग है। मैंने डेलावेयर पर वाशिंगटन के साथ पहचान को दिया था।

85 मैं स्टोंवैल जैक्सन के साथ खड़ा था, जब मतभेद उसके विरोध में बहुत अधिक थे, और उन्होंने पूछा, "तुम पत्थर की दीवार की तरह कैसे खड़े हो सकते हैं, जब मतभेद तुम्हारे विरोध में है? " उस नम्र, नीली आंखों वाले, छोटे से व्यक्ति ने अपने जूते से उस धुल पर लात मारी, उसने कहा, "मैं कभी पानी भी नहीं पीता जब तक मैं इसके लिए सर्वशक्तिमान परमेश्वर को धन्यवाद नहीं देता।" मुझे उसके साथ पत्थर की दीवार की तरह खड़ा होना होगा। मैं वहां स्टोनवेल जैक्सन के साथ खड़ा था। अमेरिकी होने

के नाते, मैंने उसके साथ पहचान दी है और उसके खड़े रहने के साथ। डेलावेयर को पार करते हुए! लड़ाईयो को लड़ते हुए!

86 मैंने झंडे को फहराया। जब गुआम पर उन्होंने झंडे को फहराया तो मैं उनके साथ था। हजारों अमेरिकी सैनिकों के अपने जीवन देने के बाद, और जब उस छोटे स झुण्ड ने वहां पर जाकर और झंडा ऊपर खींचा, तो मैं उस उठते हुए झंडे के साथ पहचाना गया; हम में से हर एक जन पहचाना गया था। सारे अमेरिकी नागरिक गुआम के ऊपर लहराते हुए उस झंडे के साथ पहचाने गये थे। जब मैंने सुना कि उन्होंने उस झंडे को वहाँ ऊपर फहराया था, मेरे गाल से आंसू गिरने लगे। जो मैं था। वह आप थे। यह हम सबके लिए महत्व रखता है, जब हम वहाँ उसके साथ पहचाने गए थे।

87 जो कुछ वो है, मैं हूं। उसकी सारी महिमा मेरी महिमा है। उसकी सारी लज्जा मेरी लज्जा है। यदि उसने लज्जाजनक काम को किया है, तो मुझे उसे... उसकी निंदा के लिए खड़ा रहना होगा। यदि उसे महिमा मिलती है, तो मुझे उसके साथ महिमा प्राप्त होती है, क्योंकि मैं उसके साथ पहचाना गया हूं। अब, पहचाने जाने के लिए, अमेरिकी को सारे अमेरिका की लज्जा के लिए खड़ा होना होगा, सारी अमेरिका की महिमा, वह सब कुछ जो वह हमेशा था। जो कुछ वो है, या वह जो होगा, आप इसके साथ पहचाने गये हैं।

88 अब, एक सच्चे मसीह होने के लिए, आपको वैसा ही होना होगा। हम उसे भूलना नहीं चाहते हैं। जो कुछ वो था, मैं उसके साथ पहचाना गया था। मैं उसके साथ पहचाना गया हूं।

89 ध्यान दे, और वह मुझ में है, और मैं उसमें हूं। ध्यान दे, तब, हर एक मसीही जो एक सच्चा वास्तविक मसीही—मसीही है, उसके साथ था, "जब भोर के तारों ने एक साथ गाया था, और परमेश्वर के पुत्र आनंद से चिल्लाए थे, इससे पहले संसार की एक बुनियाद को डाला जाये।" हम परमेश्वर के साथ अमरहार अय्याम में पहचाने गये थे, एक करोड़ वर्ष पहले उस संसार को कभी बनाया गया था। मैं वहां पहले उसके साथ था। यदि मुझे अनन्त जीवन मिला है, तो मैं वहां उसके साथ था। मैं उसके साथ पहचाना गया, "जब भोर के तारों ने एक साथ गाया था और परमेश्वर के पुत्र आनंद से चिल्लाए थे।"

90 मैं उसके साथ था जब उसने अब्राहम को सत्तर वर्ष की—की उम्र में बुलाया, और उसकी पत्नी पैंसठ वर्ष की थी, और उसे बताया कि उन्हें

बालक होने जा रहा था। मैं उनके साथ था जब वो यहोवा यों कहता है वाले वचन पर खड़ा हुआ था, "मुझे बालक होने जा रहा है।" मैं उसके साथ खड़ा था। हर दूसरा मसीही जन उसके साथ खड़ा था। मैं उसके साथ खड़ा था, जब उसकी परीक्षाये आयी। मैं उसके साथ था, जब वो उस पहाड़ की चोटी पर गया, इसहाक को बली करने के लिए। मैं उनके साथ था जब मेढ़ा दिखाई पड़ा था।

91 मैं यूसुफ के साथ था, जब वह अपने भाइयों से ठुकराया गया था क्योंकि वह आत्मिक था और उनमें से बाकी के शारीरिक थे। मैं उसके साथ था जब वह जानता था कि उसे अपने भाइयों के द्वारा निंदा किए जाने पर खड़ा रहना था। जो वह था, मैं हूं। जो मैं हूं, वह था। "क्योंकि हम सभी मसीह यीशु में एक हैं।" मैं यूसुफ के साथ उसकी गुफा, खड्डे में था। मैं उसके साथ था जब वो फिरौन के दाहिने हाथ पर चला गया। आपको उसके साथ पहचाना जाना था।

92 मैं उस रात याकूब के साथ था जब वो पूरी रात भर दूत के साथ मल्लयुद्ध को लड़ा। मैंने खुद से मल्लयुद्ध किया है। मैं जानता हूं कि वह किस बात से होकर गुजरा था। सो मैंने याकूब के साथ–साथ मल्लयुद्ध किया, उसी समय पर उसने मल्लयुद्ध किया था, क्योंकि मैं उसका भाई हूं।

93 मैं मूसा के साथ था जब वो मिस्र में चला गया। मैं मूसा के साथ उस जलती हुई झाड़ी पर था। यदि आप एक मसीह हैं, तो आप बाइबल के पात्र के साथ पहचाने जाते हैं। इसे मत भूलना! मैं मूसा के साथ था जब सारे लोग उसके विरोध में हो गये। मैं मूसा के साथ था जब उसने लाल समुंद्र को पार किया। जब वो हाथ को उठाकर और आगे बढ़ा, और लाल समुंद्र खुल गया, मैं ठीक उस समय मसीह में पहचाना गया था, और मैं उस घडी पर मूसा के साथ था।

94 जो भी वे मसीह रहे हैं, जो भी विश्वासी रहे है, हर एक विश्वासी अब उसी व्यक्ति के साथ पहचाने जाते हैं। जो भी है, आपका पहचाना जाना अवश्य है। यह मत भूलना। जब आप भूलते हैं, तो आपको आत्मिक बेसुधी हो गयी हैं; आप भूल गए हैं कि आप कौन हैं।

95 अब उसके साथ पहचाना गया, मूसा के साथ, जब उसने समुद्र को पार किया।

96 मैं आहाब के दिनों में एलिय्याह के साथ था, जब उन्हें एक चुनाव को करना था कि वे किसकी सेवा करें, परमेश्वर की या बालाम की। हम उसके साथ माउंट कार्मेल में थे, जब उसे इस चुनाव को करना था, क्योंकि हम उसी परमेश्वर के देह में पहचाने जाते हैं जिसमें वो पहचाना गया था। इसलिए यदि हम उस देह में पहचाने जाते है तो फिर हमें अवश्य ही याद होना चाहिए कि हम वहां पर उसके साथ थे। ये सही है।

97 अब, मैं दाऊद के साथ था, जब वह अपने भाइयों के द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था। मैं दाऊद के साथ था; आप भी थे, यदि आप एक मसीह हैं। आपको उसके ठुकराये जाने में पहचाना जाना होगा।

98 मैं इब्रानी बच्चों के साथ था, उस आग की भट्टी में, जब वो—वो आग उन्हें उस चौथे मनुष्य की उपस्थिति के कारण जला नहीं सकी।

99 मैं दानिय्येल के साथ, शेरों की मांद में था। मैं वहां पहचाना गया था, जब प्रभु के दूत ने उसे वहां पहचान दी।

100 मैं कलवरी में उसके साथ निश्चित रूप से था। मुझे कलवरी पर उसके साथ अवश्य ही पहचाना जाना है। मुझे उस एक स्थान पर होना है, जो, जहां मैं कलवरी में उसके साथ केवल पहचाना ही नहीं गया था, मैं कलवरी में उसके साथ मरा। हर एक मसीह को कलवरी में उसके साथ मरना ही होगा। यदि आप उसके साथ कलवरी पर नहीं मरते हैं, आप उसके कुछ भी नहीं बन सकते है। मैं वहां पर था जब वह मरा। मैं उसके साथ मर गया। और तब मैं उसके साथ था जब वह मुर्दों में से जी उठा। मैं पुनरुत्थान में, ईस्टर की सुबह उसके साथ ऊपर आ गया। जो कुछ भी उसने किया, मैं ठीक वहीं उसके साथ था; हर एक विश्वासी उसी तरह से था।

101 और अब मैं मसीह यीशु में उसके साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठा हूं, उसके द्वारा नरक की सारी सामर्थ पर विजय प्राप्त की। हर एक मसीह को उसी तरह से बैठाया गया था, क्योंकि आपको पहचाना जाना है।

102 अब मैं अपने आप को देखता हूं, इस अंतिम दिनों में, बहुत से विश्वास करने वाले मसीही जन, उसके सेवकाई में पहचाने गये। "वह कल आज, और युगानुयुग एक सा है।" मैं अपने आप को इस दिन में देखता हूं, उसके सेवकाई में पहचाना गया हूं। क्या आप अपने आप को इस तरह से पाते हैं, इसे विश्वास करते हुए, इसके साथ चलते हुए? ध्यान दे, जो काम उसने किये, उसने कहा कि विश्वासी वही काम को करेंगे। "जो काम मैं करता हूं,

वो तुम भी करोगे।" तब क्या आप उसके साथ पहचाने जा सकते हैं? फिर जब वचन पर निंदा आती है, तो क्या आप निंदा के लिए खड़े हो सकते हैं जैसे वो खड़ा था, उसके साथ पहचाने गये? मैं उसके साथ पहचाना गया था।

103 मैं पेन्टीकोस्ट के दिन उसके साथ था। मैं वहां ऊपर चेलो के साथ था, पवित्र आत्मा के बपतिस्मा में उनके साथ पहचाना गया।

104 मैं सोचता हूं कि यदि कलीसिया को अब इतनी अधिक बेसुधी नहीं हुई होती कि वे, उनमें से कुछ, यहां तक कि विश्वास नहीं करते कि पवित्र आत्मा के जैसी कोई चीज भी है। देखो कि कलीसिया को कहाँ पहुँच गयी है? ये एक बहुत ही बुरी बेसुधी की बीमारी है! देखो, वे भूल गए हैं कि वहाँ पहले यीशु मसीह था। वे भूल गए हैं यीशु मसीह क्या था। वे भूल गए हैं। उन्होंने सोचा कि वह सिर्फ एक नियम को बनाने वाला था या भविष्यव्यक्ता, या एक भला मनुष्य था। वे भूल गये वह परमेश्वर था। वे भूल गए कि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। और कलीसिया को आत्मिक बेसुधी की एक बुरी बीमारी हुई है। वे इन सब बातों को भूल गए हैं। वे अब इसे और इसे नहीं समझते हैं।

105 हमें पेंटीकोस्ट में उन चेलो के साथ होना ही है, उनके साथ पहचाना जाना। मैं पेंटीकोस्ट के दिन पतरस के उपदेश के साथ पहचाना गया था, प्रेरितो के काम दूसरे अध्याय में। मैंने सुना जो उसने कहा। मैं विश्वास करता हूं जो उसने कहा। मैंने आज्ञा का पालन किया जो उसने कहा। अब मैं उसी चीज़ के साथ पहचाना गया हूं।

106 आत्मिक बेसुधी को न लगाये। क्योंकि, आप, आप अपनी स्वयं की पहचान किसी और के साथ देंगे। ठीक उस वचन के साथ बने रहो!

107 हम कलीसिया के साथ थे जब यीशु मसीह के द्वारा ये आज्ञा दी गयी थी, प्रेरितो के काम 16 वें अध्याय में। "तुम सारे संसार में जाकर, और सुसमाचार को प्रत्येक प्राणी को प्रचार करो।" मैं चाहता हूं कि मेरी पहचान वहां हो, "सारे संसार को, प्रत्येक प्राणी को।" "ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे वे जो विश्वास करते हैं," उसमें पहचाना जा सकता हूं।

108 तो, अब, क्या आप उस के साथ पहचाने गए हैं, या आपके पास कुछ आत्मिक बेसुधी है, जो आप पाते है कि आप विश्वास नहीं करते कि वे चिन्ह विश्वासियों के पीछे जाते है? देखो, यदि आप इसे विश्वास नहीं करते

हैं, तो आपके पास आत्मिक बेसुधी है, देखो, आप भूल गए हैं कि परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा की थी। उसने कहा, "ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे, वे जो विश्वास करते हैं।" इसे मत भूलना। आप इसे भूल नहीं सकते है, और एक मसीही बने। आपकी इसके साथ अवश्य ही पहचान होना है।

109 आपकी अवश्य ही संत युहन्ना 14 अध्याय, 12 वे पद के साथ पहचान होना है। "वह जो मेरे साथ विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं उसे वो भी करेगा।" इसे मत भूलना यदि आप भूलते हैं, तो आपको आत्मिक बेसुधी हो गई है। आप भूल गए कि आप कौन हो। आप भूल गए कि आपकी गवाही का क्या महत्व है।

110 इसके के बारे में, उसने कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहते हो, और मेरा वचन तुम में, तुम जो चाहो मांग सकते हो, और वो तुम्हारे लिए हो जाएगा"? क्या आप वहां पहचाने गए है, यह विश्वास करना कि यह सत्य है? मरकुस 11, जब उसने कहा, "यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' और अपने ह्रदय में संदेह ना करे, लेकिन विश्वास करे कि तुमने जो कहा है, वह पूरा होगा, तुम्हारे पास वो होगा, जो तुमने कहा है।" क्या आप वहां पहचाने जा सकते हैं, यह विश्वास करना कि यह सत्य है? यदि ऐसा नहीं है, तब आपको आत्मिक बेसुधी हो रही है।

111 और—और आप भूल जाते हैं, आप अपना मसीही संतुलन खो देते हैं। आप नहीं बता सकते आप कहाँ से है। आप कहते हैं, "मैं मेथोडिस्ट हूं। मैं बैपटिस्ट हूं। यही है इसके बारे में मैं जो जानता हूं। मैं पेंटीकोस्टल हूं। मैं *यह* हूं, वो हूं, या *इत्यादि* हूं।" ध्यान रहे! इसका मतलब यह हो सकता है कि बीमारी का चिन्ह आप पर दिखाई दे रहा है, आपको कुछ आत्मिक बेसुधी हो गयी है।

112 आप कहते हैं, "अच्छा, भाई ब्रंहम, मैं—मैं *इस* पर विश्वास करता हूं, और मैं—मैं शायद ही नहीं... " अब जरा एक मिनट रुकना। यदि परमेश्वर ने इन चीजो को करने की प्रतिज्ञा की है, और कहा कि वे अंतिम दिनों में होंगी, और आपके संप्रदाय आपको इससे दूर रखते है, यह एक अच्छा चिन्ह है मैं आप पर यह रोग के चिन्ह को देख सकता हूं। यह आत्मिक बेसुधी की बीमारी है। आप खुद को वचन के साथ पहचान देने से भूल गए हैं।

113 आप कहते हैं, "मैं विश्वास नहीं करता कि बीमार चंगे होते हैं।" आपको आत्मिक बेसुधी हो गयी है।

114 आप कहते हैं, "मैं पवित्र आत्मा के बपतिस्में में विश्वास नहीं करता।" आत्मिक बेसुधी!

115 आप कहते हैं, "मैं—मैं विश्वास नहीं करता कि परमेश्वर ने अंतिम दिनों में इन चीजों को करने की प्रतिज्ञा की थी।" तब आपने बजाय बाइबिल के, एक संस्था को, या कुछ सिद्धांत की बात को सुना है। आपके पास आत्मिक बेसुधी है। तब आप नहीं जानते कि आप कहां से संबंध रखते हैं। आप अंगीकार कर रहे हैं, "एक मसीही," है और वचन को इन्कार करते है। जो आपको फिर से आत्मिक बेसुधी में वापस लाता है, देखो, आप नहीं जानते कि आप कहाँ खड़े है। आपको आत्मिक बेसुधी हो गयी है। आप अपने आप की वचनो के साथ पहचान नहीं दे सकते है।

116 आपको चेलो के साथ होना होगा। आपको सारे वचनों के साथ होना होगा, कलीसिया के साथ जब इसे आज्ञा दी गयी थी। लेकिन, अब, जैसे कलीसिया को आज्ञा दी गयी थी, "तुम सारे संसार में जाकर और सुसमाचार को प्रचार करो; ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं," यह उसके लिए आज्ञा थी। अब उनके पास... यही आज्ञा थी।

117 लेकिन उन्हें ये आत्मिक बेसुधी की एक बुरी बीमारी लग गयी है, बिल्कुल वैसे ही जैसे हव्वा को... एक दिन, उस बगीचे के आसपास, उस पर बीमारी लग गई। अब वो इस्राएल के जैसे है, जो इसी बीमारी से पीड़ित है, धर्मविद्यालय के भोजन से एक एलर्जी जो आपको आत्मिक बेसुधी को दे देगा। कुछ धर्मविद्यालय के भोजन को ले, और आपको एलर्जी हो जाएगी, और फिर, पहली बात जो आप जानते हैं, आपको बुरी तरह से बेसुधी की बीमारी हो जाएगी। आप विश्वास नहीं करते जो कुछ बाइबल कहता है।

118 आज कलीसिया के साथ यही वजह है। यही वो वजह है जिससे आज हमारे पास बेदारी नहीं हो सकती हैं। यही वो वजह आज लोगो के साथ है। और उन्होंने सब बातों में निंदा की है, इतना वाद लाते है, इतना तक वे नहीं जानते कि क्या सही और गलत है। ठीक–ठीक। वह अपने प्रभु को याद नहीं कर सकती। वह उसके वचन को याद नहीं कर सकती। वह प्रतिज्ञा को याद नहीं कर सकती।

119 बस यही था जो इस्राएल के साथ मामला था, जब यीशु दृश्य पर आया। वे याद नहीं कर सके कि, "एक कुंवारी गर्भवती होगी।" वे याद नहीं कर सके कि मूसा ने कहा, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे जैसे एक भविष्यव्यक्ता को खड़ा करेगा।" उनके पास आत्मिक बेसुधी थी।

120 बिल्कुल यही है जो आज कलीसिया को हुआ है। उसने कहा, "ये अंतिम दिनों में पूरा होगा," कि यह चीजे जगह लेंगी, जो हम जगह लेते देख रहे है, और कलीसिया बस बारह बजे की तरह मृत पड़ा हुआ है। यह क्या है? आत्मिक बेसुधी। हम खुद को पेंटीकोस्ट कहते हैं, और पहचान नहीं दे सकते है, और वचन में खुद की पहचान नहीं दे सकते है जब इसे मसीह के पुनरुत्थान की सामर्थ में प्रचार किया गया है; और उसे यहाँ हमारे बीच में, इसे प्रदशित करते हुए, और बिल्कुल वही करते हुए जो उसने कहा कि वह इसे करेगा। फिर, वहां देखो, हमारी संप्रदाय के सिद्धांत ने हमें आत्मिक बेसुधी में डाल दिया है। हम पीड़ित हैं। हम नहीं जानते कि हम कहाँ से हैं। एक कागज पत्रों को *इस* कलीसिया से लेता है, *दूसरे* कलीसिया के लिए और *इस* कलीसिया से और *यह* मत, और *वो* मत। समझे?

121 हमें जिस चीज़ की फिर से आवश्यकता है, कि एक और आमोस दृश्य पर आये, लेकिन यहोवा यों कहता है वाले वचन के साथ। क्या हम उसे ग्रहण करेंगे? लगभग जैसे उन्होंने किया। उन्होंने उसे कभी भी ग्रहण नहीं किया। वे उसे आज ग्रहण नहीं करेंगे। वो शायद ही किसी स्थान पर सिर को रख सकता है, प्रचार करने के लिए। अब, यह बिल्कुल सही है ठीक है, क्योंकि कलीसिया इस आत्मिक बेसुधी से पीड़ित है।

122 अब, क्यों? परमेश्वर ने इस अंतिम दिनों में प्रतिज्ञा की है, "जब मनुष्य का पुत्र प्रकट होगा," लुका के अनुसार, 17 वें अध्याय में, "उस चिन्ह पर जो सदोम में जगह ले रहा था, फिर से जगह लेगा।" और लोग देखते है ऐसा हुआ है, और उनमें से कुछ लोग यहाँ तक इसे विश्वास भी नहीं करते हैं। वे सोचते है कि यह मनो को पढना (टेलीपेथी) है। वे सोचते है कि यह एक शैतान की आत्मा है। यह क्या है? वे आत्मिक बेसुधी के साथ पीड़ित है। बिल्कुल ऐसा ही है। वे प्रभु को नहीं समझ सकते। "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" जो वह तब था, वो अब है।

123 लेकिन, क्या हुआ, बस खुद को और अधिक वचन के साथ पहचान नहीं दे सकते हैं। क्यों? वो, वो नहीं जानती कि वह एक आवास है या वह एक कलीसिया है। वह नहीं चाहती कि उसे आवास कहकर बुलाया जाये, और उसे कलीसिया कहकर नहीं बुलाया जा सकता है; क्योंकि, कलीसिया बुलाये जाने के लिए, खुद की पहचान मसीह के साथ देगी। वह उसे आत्मिक बेसुधी देती है। वह नहीं चाहती कि उसे आवास कहकर बुलाया जाये। सो यह पेंटीकोस्टल कलीसिया नहीं है, मेथोडिस्ट कलीसिया नहीं है, बैपटिस्ट कलीसिया; यह तो पेंटीकोस्टल आवास, मेथोडिस्ट आवास और बैपटिस्ट आवास, क्योकि वो वचन के साथ पहचाने नहीं जा सकते है। और जब वचन प्रकट बनता है, वे फिर भी इसे विश्वास नहीं करते हैं। यह एक बीमारी है, आत्मिक बेसुधी। खुद की पहचान नहीं दे सकते; वे नहीं जानते कि कहां से संबंध रखते है। ये सही बात है।

124 यह बिल्कुल इसी तरह से है जैसे कुछ तो संक्ररित किया जाना। जैसा कि मैं अक्सर कहता हूं, "मैंने हमेशा सोचा कि मैंने जो सबसे मुर्ख चीजें देखीं उनमें से एक खच्चर थी।" देखो, वह एक संक्ररित है। देखो, उसकी माँ एक घोड़ी थी, उसका पिता गधा था, और वो यहाँ तक यह जानता भी नहीं कि वो कहां से है। और पहली बात जो आप जानते हैं, आप, आप—आप उसे प्रजनन कर सकते हैं और एक गधे को प्राप्त कर सकते हैं, और फिर... या खच्चर को प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन खच्चर खुद को फिर से वापस प्रजनन नहीं कर सकते। देखो, वह नहीं करते है। आप उसे कुछ नहीं सिखा सकते। वह कठोर (हठी) होते है। आप उसे कभी भी कुछ नहीं बतायेंगे... आप उनके बड़े लंबे कान को तैयार कर सकते हैं। और उसके जीवन के सबसे लंबे दिनो तक वह इंतजार करता रहेगा, बस उसके मरने से पहले, ताकि आपको लात मारे। ऐसा ही है। वह हमेशा किसी चीज के लिए रुका रहता है, ताकि ये आप पर गुस्सा निकाले यदि वह कर सकता है तो।

125 और यह मुझे बहुत सारे कहलाने वाले संक्ररित मसीह लोगो की याद को दिलाता है। उनके कलीसिया को संक्ररित कर दिया है इतना तक उन्हें आत्मिक बेसुधी हो हैगयी । वे कुछ भी फिर से उत्पन्न नहीं कर सकते है।

126 वे संक्ररित दाने के बारे में बात करते हैं। संक्ररित दाना कुछ भी नहीं है। यह सबसे ख़राब चीज है जिसे आप हमेशा अपने मुंह में डालते हैं, कुछ

भी जो संक्ररित है। यही कारण है आप इन छोटे क्यारी के पौधों लेते है, और संक्ररित चीजो को, और इस पर छिडकाव करते है और इसका इलाज करते है और इसकी अच्छी तरह देखभाल करते है। क्यों? क्योंकि वे इस पर से कीटाणुओं को दूर नहीं कर सकते है।

127 लेकिन एक सच्चा, अच्छी नस्ल का पौधा, आपको उस पर कोई कीटाणुनाशक नहीं डालना होता है। उसके पास उसी में खुद की शक्ति होती है कि वो कीड़ो को उससे दूर रखे। यही है जो ये लेता है ताकि एक वास्तविक सच्चे आत्मा से भरे मनुष्य के अविश्वास के कीटाणुओं को दूर करे।

128 एक बूढ़े खच्चर को ले, और आप उससे बात करने के लिए जाये, कहे, "कहो, खच्चर, मैं चाहता हूं तुम *ऐसा* करो, *वैसा* करो।"

129 वह वहाँ बैठा होगा, "हौ! हौ! हौ!" वे बड़े–बड़े कान ऊपर और नीचे हो रहे है। मैंने बहुत से कहलाने वाले मसीही लोगो को लगभग इसी तरह से देखा है।

130 आप कहते हैं, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं।"

131 "हुंह? मैं सोचता हूं कि अद्भुत कार्य के दिन बीत गये हैं। हुंह? हुंह? हुंह? " देखो, वह नहीं जानता कि वह क्या विश्वास करता है। वह कुछ भी नहीं जानता। वह नहीं जानता कि वह कहाँ से आया है; वह नहीं जानता कि वह कहाँ जा रहा है। उसे घोडे की बेसुधी हो गयी है। वह नहीं जानता कि वह कहाँ से आया है, और वो आगे नहीं जा सकता है।

132 लेकिन मैं एक सच्चा अच्छी नस्ल के पौधे के जैसा हूं। ओह, वह सज्जन है। आप उससे बात कर सकते हो। वह जानता है कि उसका पिता कौन था, उसकी माँ कौन थी, दादा कौन था और दादी कौन थी। उसे अच्छी नस्ल के कागजात मिल चुके है ताकि दिखाये वो कहाँ से आया है।

133 और मैं एक अच्छी नस्ल के मसीह को पसंद करता हूं, जो पूरी तरह से वहां पीछे परमेश्वर के वचन के लिए वापस जा सकता है, पेन्टीकोस्ट के दिन तक, और वहाँ खुद की पहचान उन संतों के साथ दे सकता है, जहां पवित्र आत्मा की सामर्थ उन पर उतर आई थी। यही एक अच्छी नस्ल के मसीह है। वह जानता है कि वह कहां से आया है। वह मेथोडिस्ट के साथ नहीं पहचाना गया है, बैपटिस्ट, या ना ही किसी और के साथ। उसकी

परमेश्वर के वचन में पहचान हुई है। उसे ठीक–ठीक जानता है कि वह कहां पर खड़ा है। उसके पिता का वो शाही लहू उसमें से होकर बहता हैं; यीशु मसीह का लहू। वह जानता है कि यह क्या करता है! वह हर एक वचन पर विश्वास करता है। परमेश्वर उसके जरिये से काम करता है और चिन्हों के साथ इसे साबित करता है, जो उसने अनुकरण करने की प्रतिज्ञा की थी। उसने आत्मिक बेसुधी को नही पाया है। वह एक सच्ची अच्छी नस्ल का है। मैं इसे पसंद करता हूं।

134 लेकिन आज कलीसिया को आत्मिक बेसुधी का एक बुरा रोग लग गया है। ये नहीं जानती कि वो कहाँ से संबंध रखती है। ये इसके बारे में सब भूल गयी है, यह सारी चीजो को भूल गयी है जो इसे एक कलीसिया बनाती हैं।

135 हमें क्या बात धनी बनाती है जो हम हैं? यह फिर से लौदकिया के स्थान पर है, वापस उस धनी स्थान के अंदर जैसे इस्राएल था। जब ये निर्धन था उसे परमेश्वर पर भरोसा करना था हर एक चीज के लिए जिसके लिए ये कर सकता था, जो कुछ उसे मिला, इसने परमेश्वर पर भरोसा किया; तब परमेश्वर इसके साथ था, और यह आत्मिक था, और आगे बढ़ता गया। लेकिन जब यह धनी हो गया, तो यहाँ क्या हुआ: उनके शहर बसने लगे, और उनकी स्त्रिया अनैतिक हो गयी, उनके पुरुषो ने इसकी अनुमति दी, उनके प्रचारक शराबखाने में जाने लगे, और उन्होंने भविष्यव्यक्ताओ पर दोष लगाया। और इसी तरह की परिस्थिति के अंदर वे चले गए। इसका जो कारण है, वे भूल रहे थे वे आशीषे कहाँ से आयी थी।

136 और आप जो मेथोडिस्ट है, और आप बैपटिस्ट, और आप प्रेस्बिटेरियन! आप मेथडिस्ट जॉन वेसली को याद कर सकते हैं। आप बैपटिस्ट! और जॉन स्मिथ लोगों की हरकतों को लेकर रो रहा था, इतना तक कि उनकी पत्नी को मेज की ओर अगुवाही करना पड़ा था, उसकी आँखें सूजने से बंद हो गयी थी, सारे रात भर रोते–रोते और प्रार्थना करते हुए। मामला क्या है?

137 जॉन वेसली ने कहा कि इन बड़ी चीजों में से एक... मैं विश्वास करता हूं कि यह था आरंभ मेथोडिस्ट पूर्वज में से एक ने कहा, "मेथोडिस्ट कलीसिया की पुत्रीयों की इस शर्मनाक बात है, इतनी ज्यादा दुनियादारी

की बातें होने लगी थी, वे उनकी अंगुली पर अंगूठीयों को पहने हुए थे।" वो अभी के लिए क्या कहेंगा, जो छोटे–छोटे कपडो के साथ है?

138 क्या हुआ है? आत्मिक बेसुधी। वास्तव में ये जो है, भूल गये है आप कहाँ से आते हैं। आपको यह सारी चीजें दी गयी हैं क्योंकि परमेश्वर का दिया जाना, भलाई ने इसे आपके लिए किया है।

139 क्या आप सोचते है कि यह एक अजीब बात है? यह वास्तव में यीशु मसीह की आत्मा के साथ है, वो भविष्यद्वाणी। प्रकाशितवाक्य तीसरे अध्याय में इसने कहा, "क्योंकि तुम कहते हो, 'मैं धनी हूं, मुझे किसी चीज की आवश्यकता नहीं,' और नहीं जानता कि तू निर्धन, अंधा, दुखी, अभागा, नंगा है, और इसे नहीं जानता" देखिये, इसे नहीं जानता! यह क्या है? आत्मिक बेसुधी। वे इसे नहीं जानते।

140 कलीसियाओ के पास अब पैसा है। शायद ही देश भर में एक कलीसिया ऐसी नहीं है, एक संप्रदाय, लेकिन जिसकी लाखों गुना लाखो डॉलर मूल्य के बराबर है। इमारतो को लाखों और करोड़ों डॉलर में निर्माण करते है और इत्यादि, और प्रचार करते है प्रभु का आगमन नजदीक है। "'धनी,' और कहते है, 'मुझे कुछ भी आवश्यकता नहीं है।'" अब तक के सबसे अच्छे शिक्षित प्रचारक, जो उनके थे, जितना उन्होंने कभी जाना था, उससे अधिक धर्मशास्त्री जानते हैं। और उनके पास सबसे बड़ी इमारतें थी, जो शहर के सबसे अच्छे चुने हुये स्थान थे। वे कुछ भी करने के अधिकारी बन गये थे, वे जो करना चाहते थे। और फिर उन्होंने क्या किया? आत्मिक बेसुधी हो गयी और यह भूल गये कि इसे उनके लिए परमेश्वर ने किया है, बिल्कुल इस्राएल की तरह।

141 और बाइबिल ने भविष्यवाणी की, यीशु मसीह ने अपने दूत को यूहन्ना के लिए भेजा उसने कहा, इस अंतिम कलीसिया के युग को यह आत्मिक बेसुधी की बीमारी होगी। वे "अभागे," थे, याद रखना। वे सोचते है कि वे कुछ तो बड़े लोग हैं। वे सोचते है कि उन्हें कुछ तो मिल गया हैं। लेकिन उसने कहा कि वे "तुच्छ, अभागे, निर्धन, अंधे, नंगे है, और इसे नहीं जानते।" और उन्हें बताने का कोई तरीका नहीं है।

142 अब, यदि कोई एक व्यक्ति सड़क पर होता था, अपमानजनक या एक स्त्री, नग्न, सड़क पर है, अंधे, यह एक दयनीय दशा होगी उस दशा में होना। लेकिन फिर यदि उनके पास अपना सही दिमाग होता था, वे जानते थे कि

वे कौन थे, कि वे एक मनुष्य जाति थे, और वे कपडो को पहने था; तो, आप वहाँ जाये; वे—वे मनुष्य जाति हैं, मनुष्य जाति के साथ पहचान देना चाहिये; और वहाँ पर बाहर, "तुच्छ, अभागे, अंधे, नंगे।" और आप उसके पास जाये, "भाई, तुम नग्न हो।"

143 "अब, यहाँ! मैं *फलां और फलां* डॉक्टर हूं! तुम बस अपना काम करो। मैं तुम्हे बताता हूं, मैं *फलां और फलां से* संबंध रखता हूं! तुम्हारा कोई काम नहीं है, तुम पवित्र पाखंडी, मुझे कुछ भी बताने की आवश्यकता नहीं!" [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

144 उन्हें बताये, "ऐसा करना पुरुष के लिए इसे करना और लोगों के लिए चीजों को करना गलत है जो वे कर रहे हैं।"

145 और वे आपको बताएंगे कि उनके प्रचारक खुले दिमाग वाले है। देख? यह क्या है? यही, वे प्रभु यीशु की आज्ञाओं को भूल गए हैं। तब उसे नीचे आने दे और कुछ चिन्ह और अद्भुत कार्य को करने दे जो उसने कहा कि वह करेगा, वे वे इस पर विश्वास नहीं करना चाहते हैं। यह आत्मिक बेसुधी है। देखिये, वे भूल चुके है! और वे नंगे हैं, और इसे नहीं जानते, इसका एहसास नहीं है।

146 वे सोचते हैं, "मैं बस क्योंकि कि मैं कलीसिया से संबंधित हूं, यही सब आवश्यक बात है।" ओह, भाई, परमेश्वर इसे तब एक राजमिस्त्री का होना, या और कुछ भी और, किसी भी आवास (लॉज) के होने से ज्यादा मायने नहीं रखता है। कलीसिया से संबंधित होना, यह परमेश्वर के लिए कुछ भी मतलब नहीं रखता है।

147 आपको परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियाँ बनना होगा। आपका परमेश्वर से जन्म होना है, और परमेश्वर वचन है। जब मैं अपने पिता का भाग बन जाता हूं, तो मैं जो सब पिता है वो बन जाता हूं। जब आप परमेश्वर का भाग बन जाते हैं, तो आप पूर्ण रूप से परमेश्वर बन जाते हैं। उसका पूरा वचन, आप इस सभी का विश्वास करते है।

आत्मिक बेसुधी!

148 क्या हो यदि आप नहीं जानते थे कि आपका नाम क्या है? और यदि आप जानते है, यदि आप एक अच्छे परिवार से आते हैं, तो मैं आशा करता हूं कि आप आये है, यदि आप एक अच्छे लोगों के परिवार से है, और क्या हो आप परिवार का नाम भूल जाते हैं तो, और तुम यहाँ पर आते

है, लज़ाजनक जी रहे है? वे कहते हैं, "क्या तुम्हारा नाम जोंस नहीं है," या यह जो कुछ भी था। "तो, मैं नहीं जानता कि मैं कौन था।" समझे? तो ठीक है, देखो, ऐसा होना यह एक भयानक बात है, इसमें जाना एक भयानक स्थिति है।

149 तो, यह वही है जहाँ कलीसिया पहुँच गयी है। इसे यीशु मसीह का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। लेकिन ये भूल गयी है, क्योंकि इसके पास, इसके अंदर इसे डाला गया है, संस्था और संप्रदाय ने जिसे उन्होंने स्वीकार किया हैं बजाय वचन के। "और वे नंगे है, अंधे, तुच्छ, और इसे नहीं जानते," और उन्हें बताने का कोई तरीका नहीं।

150 मैं हो सकता है बर्मिंघम में फिर कभी नहीं आऊं, लेकिन यह एक बार इसे हम सुनेगे। देखा? देखा? सही है। मैं केवल... मैं कुछ भी चीज के लिए जिम्मेदार नहीं हूं बीज बोने के अलावा। परमेश्वर इसे उस भूमि के लिए निर्देशित करता है, जहाँ इसे जाना चाहिए।

151 भूल गए, जी हाँ, वे प्रतिज्ञा का वचन भूल गए। वे भूल गये। इस्राएल उस एक प्रकार से स्थिति में था जब यीशु आया। यह भूल गया था। उन्होंने देखा, ओह, उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि एक मसीहा आने वाला है। लेकिन जब मसीहा आता हैं, और खुद की वचन के द्वारा पहचान देता हैं, उनके पास बहुत से रीती रिवाज़ थे इतना तक उन्होंने परमेश्वर के वचन को बेअसर बना दिया था।

152 और यीशु ने प्रतिज्ञा की, अंत समय से ठीक पहले, "जैसा कि सदोम में था, ऐसा ही होगा।" और इसकी एक पहचान होना है, और लोग इतने रीती रिवाज़ में हैं इतना तक कि उन्होंने अपने रीती रिवाज़ के द्वारा परमेश्वर की प्रतिज्ञा को बेअसर बना दिया है। आत्मिक बेसुधी! आत्मिक बेसुधी यह वास्तव में यही है। देखिये, वे इन बातों को भूल गए।

153 "ओह, मैं *इस* से संबंध रखता हूं। मैं—मैंने *ऐसा* किया है। मैं आत्मा में नाचा हूं। मैंने *यह* किया है।" तो, प्रभु, प्रभु, इसका इससे कोई लेना–देना नहीं है, बिल्कुल भी नहीं।

154 आप भला कैसे एक मसीही हो सकते हैं और वचन का इन्कार करे? आप ऐसा नहीं कर सकते है, परमेश्वर वचन है। यदि वचन आप में है, तो आप और वचन एक ही हैं। जो कुछ वचन है, आप हो। आमीन। यदि मैं इस पीढ़ी में रह रहा हूं, जो इस वचन के इस भाग ने इस पीढ़ी के लिए प्रतिज्ञा

की है, मुझे वो होना है। यदि मैं मसीह होने जा रहा हूं, तो मुझे पहचाना देना होगा, उस सब के साथ जो बाइबल प्रचार करती है और उसके लिए खड़ा होना है।

155 हाल्लेलुय्या! मुझे किसी भी तरह एक पवित्र पाखंडी बोलेंगे, और मैं ठीक अभी बहुत ही धार्मिक महसूस कर रहा हूं। जी हाँ, श्रीमान।

156 मुझे हर उस चीज़ के साथ पहचान देना होगा जो बाइबल दावा करती है। और ये इसके दावे को देती है, और, यदि मैं इस आधुनिक दिन के आत्मिक बेसुधी से पीड़ित नहीं रहा हूं, मैं पहचान दूंगा और इसके साथ पहचाना जा सकता हूं। यदि मैं इसका इन्कार करता हूं, तब मुझे आत्मिक बेसुधी हो गई है; कुछ तो हुआ है, मैंने एक संस्था या एक सिद्धांत स्वीकार कर लिया है, या किसी कलीसिया या लोगो के एक झुण्ड से। "मैं इसे नहीं कर सकता हूं," जब तक वचन आता है और खुद की पहचान देता है।

157 यही कारण है कि यीशु को नहीं पहचाना गया था। "ओह," वे कहते हैं, "ठीक है, यह मनुष्य पवित्र है, और हमारा याजक पवित्र है, हमारे *ये* पवित्र हैं।"

158 और यीशु ने कहा, "तुम अपने पिता शैतान से हो, और उसके कामो को तुम करोगे?"

159 क्या आप जानते हैं कि कैन ने भी एक अच्छे बलिदान के जैसे भेंट को चढ़ाया था? वह ईमानदार था, एक वेदी का बनाया, नीचे घुटने टेककर और आराधना की, और एक बलिदान को चढ़ाया, और परमेश्वर से प्रार्थना की। और यदि, परमेश्वर, यही सब परमेश्वर की आवश्यकता है, आप के लिए कि कलीसिया से सबंध रखे और एक वेदी हो, और अपने दशमांश का दे और कलीसिया में जाये, और एक अच्छे जीवन को जिये; यदि यही सब आवश्यक है, तो वह कैन को दोष लगाने के लिए न्यायी नहीं था, क्योंकि उसने उन्हीं बातों को किया था। जी हाँ, श्रीमान। बिल्कुल ऐसा ही है।

160 लेकिन *धर्म* का अर्थ होता है "एक ढांका जाना," और आप अपने खुद के अच्छे कामो के द्वारा ढांके नहीं जा सकते है। केवल एक ही चीज है जिसे परमेश्वर स्वीकार करेंगा, और वो यीशु मसीह का लहू है। यही एकमात्र ढांका जाना है। इस के बाहर, यदि आप कहते हैं, "संस्था में बने रहे," तो ये आत्मिक बेसुधी है! यही है जो हुआ है।

161 अब ध्यान दें, उन्होंने उनके वचन को भूला दिया हैं। उन्होंने बाइबिल को भूला दिया हैं। उन्होंने प्रतिज्ञा को भूला दिया हैं। वे उस चमक में जीने की कोशिश कर रहे हैं जो मेथोडिस्ट था, जो बैपटिस्ट था, या जो कोई भी और थे। यहाँ इस दिन की प्रतिज्ञा है, और परमेश्वर इसे उसके वचन के जरिये से बोल रहा है, और फिर से पुष्टि करते हुए और साबित करते हुए कि यह ऐसा है, और वे फिर भी विश्वास नहीं करते है। आत्मिक बेसुधी! यह बिल्कुल सही बात है। पूरी तरह से, पूरी तरह से बेसुधीयां, इसे बिल्कुल ही विश्वास नहीं करते हैं।

162 एक फ्रांस का योद्धा। मुझे एक छोटी सी कहानी सुनाई गई थी; इससे पहले कि हम बंद करें। मैं नहीं जानता ये देर भी हो चुकी थी, और मेरे पास यहाँ लगभग दस पन्ने बचे हुए थे; इसे किसी और समय पर लूंगा। ध्यान देना, एक फ्रांस का योद्धा। उनके पास एक सेना से योद्धाओ का झुण्ड था, और उन्हें ये बेसुधी की बिमारी थी। यह लड़ाई करने पर सदमे से हुआ था। और उनके पास एक कार्यक्रम था, और उन्हें—उन्हें बुलाया गया और उन्हें ले जाया गया, जिन लोगों के प्रियजन गायब थे और उन्हें बुलाकर और दिखाए कि क्या वे इन लडको को पहचान सकते हैं। उनके लिए कोई आशा नहीं थी, हो सकता है इनमें से एक या दो, उन्हें वे मिल गये। और फिर उन्होंने बाकी को अपने साथ लिया, वे उन्हें एक आयोग्य भवन में डालने जा रहे थे, जहाँ उन्हें जीवन भर रहना पड़ता है।

163 वे पहाड़ी के ऊपर जा रहे थे, ट्रेन को रोककर; और उन्होंने एक स्टेशन पर रोका, लड़के को बाहर जाने दिया और अपने पैरों को फैलाया। और गार्ड पहाड़ी पर नीचे उतर गये, ताकि उन्हें देखे, क्योंकि वे बेसुधी की बीमारी के साथ थे, इसलिए, उन्हें—उन्हें देखना पडा था।

164 तो उन्होंने वहां एक युवा लड़के को देखा, वह बाहर निकला और वो उस पानी की टंकी के यहाँ–वहां देखने लगा ओर देखो, पहाड़ी के चारों ओर देखने लगा। उसने अपने चेहरे को रगडा, और वो सोचने समझने लगा। और उसने फिर से देखा, और उसने पानी की टंकी को देखा। उसने स्टेशन पर चारों तरफ देखा, और उसने चलना आरंभ किया। गार्ड उसे रोकने के बजाय, उसके पीछे चलने लगा।

165 वह पहाड़ी के ऊपर गया, नीचे छोटा सा रास्ता था, दाईं ओर मुड़ गया और एक और छोटी पहाड़ी के ऊपर चला गया, और वहां छोटे से लकड़ी

के बने कोठरी में आया। उसने देखा। बाहर चौखट पर आते हुए, एक बूढ़े आदमी को उसके हाथ में बेंत को लिए हुए, वो बाहर आया और उसके चारों ओर अपने हाथो को डाल दिया। कहा, "मेरे पुत्र, मैं जानता था कि तुम लौटोगे। उन्होंने मुझे बताया कि तुम मर गए थे, लेकिन मैं जानता था कि तुम लौटोगे।" और लड़का अपने आपे में आ गया था। उसकी बेसुधी ने उन्हें छोड़ दिया। वह पहचान सकता था कि वह कौन है। वो जानता था कि यह उसका पिता था।

166 ओह, क्रूस के योद्धा, कि बहुत अधिक प्रशिक्षण मिलने से उसे झटका लग गया था, संप्रदाय और संस्था और संसार की चीजों के बहुत से झटके, आप बस कुछ मिनटों के लिए क्यों नहीं बाहर कदम को रखते हैं और बाइबिल की ओर क्यों नहीं देखते? हो सकता है आप इधर–उधर भटके, और आप अपने आप की यहाँ इस वचन में पहचान को देख सकते हैं, इन दिनों में से एक विश्वासी की नाई। आप हो सकता है उसे नहीं जानते हो। आप आप अपने आपे में आ सकते हैं, जैसे उड़ाऊ पुत्र ने किया, और खुद को पाया। आप अपनी उस परमेश्वर के वचन में पहचान को देख सकते हैं।

167 किसी ने एक दिन कहा, ज्यादा समय नहीं हुआ, कहा, "लेकिन, भाई ब्रंहम, हम पेंटीकोस्टल के लोगों की ओर देखें, हमारे पास क्या ही अच्छी कलीसियाये है। क्यों, हमारे पास, सेवक लोग है जो प्रशिक्षण पाए हुए हैं।"

168 सुनना, जब एक पुरुष एक पत्नी से विवाह करता है, वह उसकी सुंदरता पर भरोसा नहीं करता है। नहीं। वह उसके प्रतिज्ञा की, उसके वचन की वफादारी में भरोसा करता है। वह उसकी सुंदरता में भरोसा नहीं करता है। वो उसकी वफादारी पर भरोसा करता है।

169 और इसी तरह से जब आप परमेश्वर से विवाह करते हैं, तो आप किसी बडे सुंदर कलीसिया पर भरोसा नहीं करते हैं जिसे आप बना सकते हैं, लेकिन उस प्रतिज्ञा पर जिसे यीशु मसीह ने किया, कि, "मैं कल, आज और युगानुयुग एक सा हूं।" क्या आप यह विश्वास करते है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

आइए हम कुछ क्षण के लिए अपने सिर को झुकाएं।

170 मैं सोचता हूं, आज रात, यहाँ की इमारत में जहाँ लोग बैठे हुए हैं, जहाँ पुरुष और स्त्रीयां हैं, जो अनंत हैं, अनंत कालीन से बंधे हुए लोग है, और

आप जानते हैं कि किसी दिन या कभी तो आपको परमेश्वर से मिलने के लिए जाना है। और मैं सोचता हूं कि यदि आपके पास उस बेसुधी की थोड़ी सी भी सांस थी, और आप... आप गलत चीज़ में पहचाने जाते रहे हैं, और आपको—आपको आज रात उसी तरह यहाँ–वहां निकल पड़ना है, और पता करना है कि क्या आप मसीह यीशु में पहचाने जा सकते है? क्या आप अपने हाथ को उठाकर, कहेंगे, "मेरे लिए प्रार्थना करे, भाई ब्रंहम, मैं—मैं एक सच्चे मसीह के रूप में पहचाना जाना चाहता हूं, एक सच्चे विश्वासी के।" परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। आपको आशीष दे! ओह, जी हाँ, हर कही। प्रभु परमेश्वर आपको आशीष दे।

171 कोई तो वहां बालकनी में आप कहे, "भाई, मैं वास्तव में विश्वास करता हूं कि यह सत्य है। मैं मसीहो की नाई विश्वास करता हूं, हम उनके जैसे मसीही नहीं हैं जो वर्षो पहले हुआ करते थे।"

172 आप पेंटीकोस्टल लोगो के बारे में क्या है, जब आपकी मतायें और पिता यहाँ हमेशा से ही बाहर रास्ते पर खड़े रहते थे, और एक पुरानी डफली को बजाते थे। और आपकी माताये, वह कैसे थी... थक जाती होगी, और तुम छोटे बच्चो के साथ संघर्ष किया होगा। कभी–कभी आप बिना कपड़ों के निकल पड़ते थे, और ऐसे ही कुछ, लेकिन उस वजह के लिए पिता और माता विश्वासयोग्य थे, ताकि मसीह को पकडे रहे।

173 देखो आप पेंटीकोस्टल लोगों ने क्या किया। पचास वर्ष पहले, आप संगठन से बाहर आये। यही कारण है जो आपको पेंटीकोस्ट बनाता है, आपने है अपने आप को अविश्वासीयो से अलग कर दिया। "और जैसे कुत्ता अपनी छांट की ओर और धोई हुई सुअरनी कीचड़ में लोटने के लिये फिर चली जाती है," तुम ठीक वापस चले गए हो और उसी तरह से किया, उसी तरह की गड़बड़ी की है, जिससे आप बाहर आये हैं। मामला क्या है? लोगों में आत्मिक बेसुधी फैल गई। आपके पास अपनी संस्थाये और आपके संप्रदाय के कागजात है, और आप ठीक उनमें से बाकी के साथ है, उनमें से बाकी के साथ होना चाहते हैं। आपने अपनी स्त्रियों को उनके बाल कटवाने, चहरे को रंगने की अनुमति देते है। आप, आपने उन्हें इन सभी चीजों को करने की अनुमति दे रहे हैं, कलीसियाओ में—में इन सभी चीजों की अनुमति दे रहे है। ये क्या है? आत्मिक बेसुधी।

174 फिर, पहली चीज जो आप जानते हैं, जब परमेश्वर के लोगो के बीच ये मिलना आरंभ होता है, तब क्या होता है? आप इसे ग्रहण नहीं कर सकते है। देखो, आप उस बेसुधी की बिमारी से बिमार होते जा रहे है, देखो, केवल एक चीज जिसे आप हमेशा सुनते है। क्या आप नहीं सोचते है कि आपको कुछ मिनटों के लिए उस संस्था से हटना चाहिए और बाइबल को उठाना चाहिये, और देखें कि एक मसीही को किस तरह से पहचाना जाना चाहिए? "ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं!"

175 प्रेरितो के काम में, पतरस ने कहा, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करे, और पाप के क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे; क्योंकि प्रतिज्ञा तुम्हारे, और तुम्हारे बच्चो के लिए है, और वे जो आने वाले हैं, यहाँ तक कि जितनो को भी प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।" यदि वे आपको बताते हैं कि ऐसा नहीं है, तो आपके पास्टर को आत्मिक बेसुधी की बीमारी है। वह उस कलीसिया के साथ खुद की पहचान को नहीं पा सकता है; न ही संगठन, एक कलीसिया; एक रहस्यमयी मसीह की देह।

176 अब पवित्र आत्मा यहाँ पर है। वह यहाँ पर बिल्कुल वही काम को करने के लिए है जो उसने करने की प्रतिज्ञा की। अब जब कि आप यहाँ पर है अपने सिर को झुकाये हुए, तो बस प्रार्थना करते रहे। स्वयं पवित्र आत्मा को बोलने दे। और देखें कि क्या यह... कोई भी यह जानता है, वो प्रतिज्ञा, जो इस दिन के लिए है। अब आप जो आवश्यकता में है, आज रात, आप, आपमें से बहुतो ने अपने हाथ ऊपर उठाये। इससे पहले आप ये करे...

177 मैं सोचता हूं, जबकि हम यहाँ हैं और वास्तव में बीमारों के लिए प्रार्थना करते हैं, मैं सोचता हूं यदि आप उस अविश्वास से, उस संप्रदाय से, उस संस्था से दूर हो सकते हैं जो आपको बताते है कि ये चीजें ऐसी नहीं हैं, जो आपको बतायेंगे कि यह शैतान नहीं है। जब वे ऐसा करते हैं, "वे इस संसार में कभी क्षमा नहीं किए जाएंगे या आने वाले संसार में।" क्या होगा यदि यह सच्चाई हो तो? जरा सोचे, क्या हो यदि ऐसा है, तब आप कहाँ पर हो? देखो, आपको इसे बोलना नहीं है; केवल इसे आपके ह्रदय में विश्वास करना है। और यहां पर लोग है जो यह विश्वास करते हैं। मैं यहाँ पर पिछली दो रातों से बैठा हूं, किसी बात के तहत परिश्रम कर रहा हूं,

बस, प्रभु, मेरी जीभ को रोके और लगाम दे, ताकि इस सही बात को बताता रहूं।

178 और याद रखना, मित्रो, यह आपके और परमेश्वर के बीच है। क्या हो यदि यह गलत है तो, और आप इसे सोच रहे हो? आप जानते है कि क्या होता है, आपको इसके लिए कभी भी क्षमा नहीं नहीं किया जायेगा। आत्मिक बेसुधी, आप ठीक अपने अनन्त मृत्यु के अन्दर चले जायेंगे, अविश्वास। "वो जो विश्वास नहीं करता है वो पहले से ही दोषी हो गया है!"

179 अब अपनी बीमारी के लिए प्रार्थना करे, कहो, "प्रभु यीशु, आपने प्रतिज्ञा की थी। मैं... "

यहां कुछ अजनबी हो सकते हैं, जो यहाँ पहले कभी नहीं थे।

180 यीशु ने प्रतिज्ञा की, "जैसे यह था," मैं एक वचन को लूंगा, "लुत के दिनों में," जब परमेश्वर एक देह में प्रकट हुआ था; और लोग, अब्राहम, चुना हुआ झुण्ड, बाहर बुलाये हुआ झुण्ड। और इब्राहम का नाम अब्राहम के लिए बदल दिया गया था, तब उसने वचन को देहधारी होते हुए देखा, और इसने सारा के ह्रदय में जो विचार थे, उसे जान लिया।

181 और जब अब्राहम का शाही बीज आया, तो उसने ऐसा ही किया, और उन्होंने उसे "शैतान" कहा।

182 उसने कहा, "अब जब पवित्र आत्मा आता है, तो वो उसी चीज को करेगा।" कहा, "अब जब आप मुझे ऐसा कहते हैं, तो क्षमा है, लेकिन, जब आप पवित्र आत्मा के विरोध में बोलते हैं, तो कोई क्षमा नहीं है।"

183 अब होने पाए वह अपनी सामर्थ में, श्रोतागण में से होते हुए आये, आप कहीं भी हों, और अपने आत्मिक परख के साथ दिखाते हुए कि वो वचन है। इसलिए यदि यहां कोई बेसुधी से पीड़ित है, कि वे... इससे पहले कि वेदी की बुलावट की जाए, तो वे बिना बहाने के हो।

184 होने पाए प्रभु परमेश्वर सहायता करे। अब अपने सिर को झुकाकर, आदरपूर्वक प्रार्थना करे।

185 देखो, मेरे सामने यहाँ एक महिला बैठी है। उसने अपने चेहरे के ऊपर अपने हाथो को रखा है। वह रीढ़ की हड्डी की बीमारी से पीड़ित है। और उसे नसों की कमजोरो भी है। उसे पेट में तकलीफ है। और वह अब यहाँ मेरे सामने बैठी हुई है। और वह जान सकती है, वह इस देश से नहीं है।

वह मैकॉन नामक शहर से है। जी हाँ। क्या आपको विश्वास है कि परमेश्वर मुझे बता सकता हैं कि आप कौन हैं? आप कुमारी आयर्स हैं। यदि यह सही है, तो अपना हाथ उठाये। मैं आपके लिए एक अजनबी हूं। यह सच है, क्या ऐसा नहीं है? अब आपकी परेशानी खत्म हो गई है। यीशु मसीह; आपने उसके वस्त्र को छुआ है। उसने आपको चंगा किया है। अब केवल विश्वास करे।

186 ईमारत के पीछे एक व्यक्ति बैठा हुआ है। वह पवित्र आत्मा के बपतिस्में के लिए मांग रहा है। वह आत्मा से बपतिस्मा चाहता है। वह मेरे सामने यहाँ खड़ा है। वो यहां से भी नहीं है। वह कैरोलिना, शेर्लोट से हैं। लेपो उसका नाम है। अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे, और परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा से भर देगा, मेरे—मेरे भाई करेंगे, यदि आप इसे विश्वास करेंगे।

187 यहाँ, मेरे दाये ओर, यहाँ एक—एक व्यक्ति है और उसकी पत्नी ठीक यहाँ सीधे मेरे सामने बैठी हुई है। यह मेरे दायीं ओर एक बुजुर्ग जोड़ा है। वो महिला एक मलाशय स्थिति से पीड़ित है। उनके पति को ह्रदय की बीमारी है। वे यहाँ से नहीं हैं। वे टेननेसी से हैं। श्रीमान और श्रीमती थॉमस, यदि आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं, तो अपने हाथों को ऊपर उठाएं और आप कर सकते हैं और अपनी चंगाई को स्वीकार करें। यीशु मसीह आपको चंगा करता हैं। बिल्कुल यही है जो उसने करने की प्रतिज्ञा की। लेकिन मैंने अपने जीवन में लोगों को कभी नहीं देखा।

आत्मिक बेसुधी!

188 यीशु ने कहा, "जो काम मैं करता हूं वो तुम भी करोगे। थोड़ी देर रह गई है, और संसार मुझे नही देखेगा; फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं," व्यक्तिगत सर्वनाम, "तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक तुम्हारे अंदर रहूंगा, संसार के अंत तक।" "यीशु मसीह कल, आज और युगानुगयुग हमेशा एक सा है।"

189 अब, यहाँ जो पुरुष और स्त्रियाँ है, जिनके साथ बस कुछ गलत है, जो आप बस देख नहीं सकते कि कैसे... आप, आप विश्वास करना चाहते है, लेकिन आप अभी इसमें प्रवेश नहीं कर सक रहे है, और आप चाहते हैं कि इसके लिए प्रार्थना की जाये, आप उसे स्वीकार करना चाहते है जब आप उसकी उपस्थिति में खड़े हुए है, और क्या आप आकर और यहाँ मेरे पास खड़े होंगे, मैं आपके लिए प्रार्थना करूं और अपने हाथो को

रखूं। यदि आप अब ठीक यहाँ आते हैं, जो आप उस तरह की आत्मिक बेसुधी से पीड़ित हैं, और आप चाहते हैं कि आपके लिए प्रार्थना की जाए जिससे आप आजाद हो जाये। यदि आप एक—एक विश्वासी नहीं हैं, लेकिन प्रार्थना करवाना चाहते हैं, यहाँ आकर और खड़े हो जाये। परमेश्वर आपको आशीष दे, नौजवान। कोई और आयेगा? परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। आओ। परमेश्वर आपको आशीष दे, नौजवान महिला। कोई और आयेगा? आओ, ठीक यहाँ पर खड़े हो जाये।

190 आत्मिक बेसुधी, मैं उससे ग्रस्त नहीं होना चाहता। परमेश्वर न करे। मुझे—मुझे किसी भी चीज की मौत मरने दो, लेकिन मैं कभी भी न मरने दो, उस एक अविश्वासी की नाई मृत्यु को।

191 आकर, अब उसे स्वीकार करो। क्या आप ऐसा नहीं करेंगे? वहां से आये, और वहां बालकनी से नीचे आये, मित्रो। यहाँ ये बस कुछ ही कदम नीचे है, और यह आप के लिए मौत और जीवन के बीच का अंतर हो सकता है।

192 देखो, मैं मसीह को कुछ करने को नहीं लगा सकता हूं। मसीह को कुछ भी नहीं करना है सिवाय एक चीज के: उसे अपना वचन को बनाये रखना है। उसे मसीह होने के लिए, परमेश्वर होने के लिए, ऐसा करना ही है। उसे अपना वचन रखना ही है।

193 अब याद रखें, यदि आप अपने अनुभव के बारे में निश्चित नहीं हैं, तो अभी क्यों नहीं नीचे आते। यदि आप केवल एक संप्रदाय से संबंधित हैं, यदि आप एक पेंटेकोस्टल पोते है, परमेश्वर का कोई पोता नहीं होता है। उसके तो पुत्र और पुत्रियाँ होते है, लेकिन कोई पोता और पोती नहीं। समझे? परमेश्वर के पास यह नहीं होते है। उसके पास केवल पुत्र और पुत्रियाँ हैं, और आप जानते हैं कि आप नहीं हैं।

194 हो सकता है कि आपने अन्य भाषा में बोला होगा, आप नाचे होंगे, आपने शायद *यह* सब किया है। यह सब ठीक है। मेरे पास इसके विरोध में कुछ भी नहीं है। लेकिन फिर भी यदि आपको अभी भी वो आत्मिक बेसुधी है, तो नीचे आ जाये, और यहां आकर और यहाँ खड़े हो। इसके विषय में प्रार्थना करेंगे, आप क्या कहते हैं? कलीसिया के सदस्य, केवल जो एक नाममात्र कलीसिया के सदस्य, आप यहां क्यों नहीं आते? और आओ ठीक अभी इससे छुटकारा पाये।

195 मैं यहाँ बर्मिंघम नहीं छोड़ना चाहता, और जानता हूं कि किसी दिन यह, जब न्याय ऊपर आता है, और मुझे आपके सामने खड़ा होना है... याद रखें, मैं आपसे फिर से मिलूंगा। यदि मैं आपसे यहां इस पर कभी नहीं मिलूं, या मैं आपको न्याय पर मिलने जा रहा हूं और मुझे उत्तर देना होगा जो आज रात मैंने कहा, उस बात के लिए।

196 अब सुनना। पश्चाताप करो, मित्रो! पश्चाताप करो, इससे बाहर आओ। वहां से बाहर निकलो। अब आगे बढ़ो।

197 इस देश में हर एक कटे बालों वाली महिला को ऐसा करना चाहिए, या इस स्थान में, अब यहाँ पर आ जाये। यह बिल्कुल सही बात है। कि, कि तुम्हारे पास वास्तव में कहने के लिए इतना अनुग्रह नहीं है, "मैं—मैं—मैं चाहती हूं, मैं चाहती हूं कि मेरे बाल बड़े हो जाये, भाई ब्रंहम।" यह चाहिए... "मुझे... तो, मुझ पर अनुग्रह नहीं है कि मैं ऐसा करूं।"

क्योंकि, आप कहते हैं, "क्या इससे कुछ लेना–देना है? "

198 यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, एक सच्चा बड़ा सेवक मेरे पास आया, और कहा, "मैं आप पर हाथ रखना चाहता हूं, भाई ब्रंहम।" कहा, "हर कोई आपको नबी के रूप में मानता है।"

मैंने कहा, "मैंने कभी नहीं कहा कि मैं एक नबी था।"

199 उसने कहा, "लेकिन लोग आपको यह मानते हैं। आप हमेशा उन स्त्रियो को फाड़ते रहते हो, उन छोटे कपड़ो के पहनने के बारे में," और, ओह, वो एक पेंटीकोस्टल पुरुष था। और कहा, "उन छोटे कपड़ो के पहनने के बारे में, और उनके बालों को छोटे करने के बारे में, इत्यादि चीजे।" कहा, "यह आपका काम नहीं है।"

मैंने कहा, "यह किसका काम है? "

200 और उसने कहा, "उन लोगो को, आप उन स्त्रियों को क्यों नहीं सिखाते कि कैसे उन, महान आत्मिक दानो को होना हैं, और लोगो की सहायता करना है बजाय इसे कोशिश करने के... " कहा, "वे आपको मानते है। आप उन्हें जो कहेंगे, वे आप पर विश्वास करेंगे।" कहा, "बजाये हमेशा उन पर दोष लगाने के आप उन्हें यह क्यों नहीं बताते कि कैसे उन महान आत्मिक दानो को पाना है, और लोगो की सहायता करना है? "

201 मैंने कहा, "मैं उन्हें कैसे बीजगणित सिखा सकता हूं, जब कि वे उनके क ख ग को भी नहीं सीखेंगे? " देखा? समझे?

202 आपको नीचे से आरंभ करना होगा, पश्चाताप करो या नाश हो जाओ! अब जो जी आये अपने आप से कर सकते हैं, पश्चाताप करो या नाश हो जाओ! यीशु मसीह ने यहाँ रात के बाद रात में स्वयं की पूरी तरह से पहचान दी है। और यह वह रात है हम इस उद्धार की ओर मुड रहे थे। यहाँ बस कुछ ही कदम है, और मेरे पास बहुत समय था इंतजार करने के लिए।

203 याद रखे, बर्मिंघम, तुम्हारा लहू मुझ पर नहीं है। मैं निर्दोष हूं। और यदि आपके पास वास्तव में पवित्र आत्मा है, तो आपके पास अभी आने का एक अवसर। और यदि आप किसी तरह की कलीसिया–एकता से पीड़ित हैं आपके पास आत्मिक बेसुधी की बीमारी है, आप क्यों नहीं आते? यीशु इलाज है। क्या आप नहीं आएंगे?

204 अब कुछ लोगों ने बालकनी को छोड़ दिया है। मैं देखने के लिए रुका हुआ था कि वे कहाँ गये, वे बाहर जा रहे थे या वेदी के पास आ रहे थे। वे यहाँ नीचे, यहाँ आसपास आ गये है। ये सही है। आप जो यहाँ हैं, वेदी के चारों ओर खड़े हो जाये, कहे, "मैं इसके साथ खाली हो चूका हूं।" हां, वे नीचे आ रहे थे, दो महिलायें। यह अच्छी बात है।

205 अब आगे आ जाये। बस इससे कुछ कदम आगे। और वे कदम हो सकता है अंतर का महत्व हो।

206 अब, देखो, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। क्या हो यदि आज रात को वो आ जाता है? "ओह," कहते हैं, "वह नहीं आ रहा है।" मैं नहीं जानता कि वह आ रहा है या नहीं। यह अंतिम चिन्ह है। याद रखें, यहोवा यो कहता है! क्या आपने कभी मुझे यह कहते सुना सिवाय यह जो सच था? आप अपने अंतिम चिन्ह को देख रहे हैं। यह वचन के अनुसार है। आपने अपने अंतिम चिन्ह को देखा है, पेंटीकोस्ट। उस बात से अब उलझे मत रहना रेपचर के बाद जो उसने इस्राएल से प्रतिज्ञा की है; यह आप नहीं हो। फिर आप समाप्त हो जाते हैं। समझे? अभी आपका दिन है। अभी आपका चिन्ह है। अभी आपका समय है। इसे अस्वीकार न करें। ऐसा ना करे। अच्छा होगा आप आ जाये। क्या आप विश्वास करते कि मैं परमेश्वर का सेवक हूं? याद रखे।

207 बर्मिंघम, मैं सभ्य लोगों से कभी नहीं मिला हूं। आप वो सबसे सभ्य लोग हैं जिनसे मैं अपने जीवन में मिलना चाहता हूं, लेकिन आपको एक बेदारी की आवश्यकता है। आप मर रहे है। आप आत्मिक बेसुधी को ले रहे हैं। आप मर रहे हो। ऐसा मत करो। जागृत हो जाओ जो आपके पास है। यीशु के आने से पहले, जल्दी से इसे फिर से यहाँ लाये।

208 तो ठीक है, जब वे... आते रहें। बस उन्हें आते रहना चाहिए, जब तक हमारे पास वे सब नहीं आ जाते, जिसे प्रभु यहाँ बुला रहा हैं। अब आ जाये।

209 उस बेसुधी से छुटकारा पाएं। वो महान चिकित्सक अब यहाँ पर है, चंगा करने के लिए, आपसे इसे निकालने के लिए। वो साबित कर चूका है कि वो यहाँ पर है। कितने अपना हाथ उठाकर, पहचान को देंगे, कहे, "मैं सचमुच इसे विश्वास करता हूं; उसने कहा कि वह ऐसा करेंगा"? देखा? अब वो यहाँ पर है। देखा? समझे? आप विश्वास करे।

210 और कितने लोग जानते हैं कि मैं आपको सच्चाई को बता रहा हूं, कि आप मर रहे हैं और एक बेदारी की आवश्यकता है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] देखा? ये सच्चाई है।

211 आप सभ्य लोग हैं। आप इससे कोई बेहतर को नहीं पा सकते है। इससे कोई बेहतर ह्रदय का धड़कना नहीं है, जो इन पुरानी दक्षिणी शर्ट के नीचे से है। यह सही बात है, सच्चे लोग! लेकिन, मित्रो, आपके लिए बेहतर होगा जल्दी से जाग जाओ! [भाई ब्रंहम पुलपिट पर जोर–जोर से ठकठक करते है—सम्पा।] इस घडी में जो आप सोचते नहीं है, ये घटित हो सकता है। ऐसा शायद घटित ना हो; मैं नहीं जानता।

212 लेकिन, याद रखें, आप अपनी अंतिम चेतावनी को ले रहे हैं, इसलिए भागे जब आपके पाग भागने का समय है। अब आगे बढे। जब तक वे आ रहे हैं, मैं प्रतीक्षा करता रहूंगा, क्योंकि हो सकता है... एक प्राण की कीमत दस हजार संसार है। और जब तक लोग विश्वास में आ रहे हैं...

213 मैं इसे एक महान बडी बेदारी के रूप आरंभ होते देखना पसंद करूँगा जो आस पास की हर एक कलीसिया को तैयार करे; यदि आप अपने मतभेदों को तोड़कर और अपने उस स्वार्थपन को दूर करे, और पवित्र आत्मा को स्वीकार करे। आपने दावा किया कि आप इसे विश्वास करते हैं। आपने यह विश्वास करने का दावा किया है, और, जब इसकी अपने

आप की पहचान की बात आती है, तब आप एक दूसरे से अलग नहीं होंगे। क्यों न परमेश्वर के वचन के साथ हमारे हृदयो को जोड़ा जाए और सच्चाई पर विश्वास करे? यही तो है। आप बस मरते जाते है, मरते जाते है, और आप लौदकिया में से ठीक बाहर आने लगते हैं। बिल्कुल जो उसने प्रतिज्ञा की थी, यह इसी तरह से होगा। क्या आप अभी नहीं आयेंगे? अभी वो दिन है। अभी वो स्वीकार करने का समय है। देखे कि पवित्र आत्मा क्या करेगा।

214 अब मैं सारे सेवको को यहाँ चाहता हूं, जो इन लोगों में इच्छुक है, वे भी आकर मेरे साथ प्रार्थना करे। यहाँ ऊपर आएँ, सारे सेवक जो इन लोगों में इच्छुक हैं। आये, बस ठीक आसपास आ जाये, और लोगो के बीच में आ जाये, वो सेवक या एक व्यक्तिगत कार्यकर्ता, एक अच्छा व्यक्तिगत कार्यकर्ता, कुछ महिलाये जो अब इन महिलाओ के साथ खड़ी होना चाहेंगी। मैं अपने पुरे हृदय से विश्वास करूंगा, कि पवित्र आत्मा आज ठीक यहाँ इस स्थान के अंदर आने वाला है और बस इन सारे लोगो के बीच में खुद की पहचान देगा।

215 अब मैं इन लोगों को यहाँ पहले निर्देश को देता हूं। अब, मित्रो, जिस किसी के लिय भी आप यहाँ हैं, वह जानता है। और मैं आपको इसे साबित कर सकता हूं, ये एक–एक करके और आपको इस मंच पर यहाँ लायेंगे, और वहाँ एक बात नहीं होगी, जिसे वह जानता नहीं होगा। अब ये तब से है जब मैं एक छोटा लड़का था। वह दान सवाल में नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि क्या आप इसे ग्रहण कर सकते हैं? क्या आप इसमें विश्वास करते है? अब वो यहाँ पर है। तो, यदि वह यहाँ पर है, तो केवल एक ही बात है, वह अपने वचन को रखता है। तब केवल विश्वास करे कि आप इसे ग्रहण करेंगे, और इसे स्वीकार करेंगे, और उठकर और कहेंगे, "प्रभु परमेश्वर, मैं इसे स्वीकार करने के लिए यहां हूं," और बस वहां रुके रहे जब तक ऐसा नहीं होता।

216 जैसे बड्डी रॉबिन्सन ने एक समय मकई के खेत में कहा। उसने कहा, "प्रभु, यदि आप मुझे पवित्र आत्मा नहीं देते हैं, जब आप वापस आयेंगे, तो आप हड्डियों के ढेर को यहीं पर पड़ा हुआ पाएंगे।" वह मरने का दृढ संकल्प कर चुका था। और आप परमेश्वर से कुछ भी नहीं पाएंगे, जब तक आप बस व्याकुल नहीं हो जाते।

217 अब, क्या आपने आज की फसल पर ध्यान दिया है, क्या आपने आज ध्यान दिया है कि हम क्या करते है? हम, वास्तव में, हमें अपने विषय में इतना अधिक परमेश्वर मिला है इतना तक कि जहाँ हम मंच पर आकर, हम कहते हैं, "हाँ, हो सकता है अच्छा होगा मैं ऊपर आ जाऊं।" अब यह संसार भर का अनुभव है। "हां, मेरे लिए अच्छा होगा ऊपर जाकर और खड़ा रहूं।" कहते है, "ठीक है, ठीक है, मैं नहीं जानता। यहाँ मैं हूं, देखो।" हुंह! वो क्या ही स्थान होगा, उसमें होना! कोई भी आग नहीं जल रही है। कोई उत्साह नहीं है। वहाँ कुछ नहीं है, "इसमें अंदर जाये!" और, एक सुसमाचार प्रचारक के रूप में, ये बस मुझे मार देता है, परमेश्वर के लोगों को इस दशा में देखना। हम आग में होना चाहिए।

218 लेकिन, आप देखे, यह क्या है? यह बिल्कुल वही है जो मैंने आपको बताया था। प्रकाशितवाक्य 3, "आप गुनगुने हैं। और," उसने कहा, "क्योंकि आप गुनगुने हैं, तब मैं तुम्हें अपने मुँह से उगलने जा रहा हूं।" यह सही बात है। [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] यही है जो उसने कहा। और, यदि उसने यह कहा, यही है जिसे वह करने जा रहा है। इसलिए आओ हम उस झुण्ड में से नहीं बने।

219 आप जो यहाँ आवश्यकता में हैं। आइए इसे प्राप्त करें, या यहीं पर मर जाएं। ये सही है। आइये इसे पाए, या मर जाये।

220 अब, मेरे प्रिय भाईयो, बहनो, यदि मैं नीचे आकर और आपकी कुछ सहायता मदद कर सकता, तो मैं निश्चय है इसे करता। अब, एक दान के द्वारा, मैं आपको बता सकता हूं कि आप यहां पर किस बात के लिए हैं। मैं आपको यह क्या है पवित्र आत्मा के द्वारा, परमेश्वर के आत्मा के द्वारा बता सकता हूं, आपको बताऊंगा कि किस बात के लिए आये है, आपने क्या कियाहे हैं, आपका भविष्य क्या होगा, या ऐसा ही कुछ; लेकिन ये इसकी चिंता करना नहीं है। आपको इसे स्वयं स्वीकार करना होगा। इसे आप ही को होना है!

221 अब क्या आप तैयार हैं? अपने हाथ को उठाकर, कहे, "मैं तैयार हूं। मैं ठीक यहीं पर मरने के लिए तैयार हूं।" अब इसे ना करे जब तक इसका मतलब न समझो। "मैं ठीक यहीं पर मरने के लिए तैयार हूं, या वो प्राप्त करें जो परमेश्वर से मुझे चाहिए।" आमीन। क्या आप वास्तव में तैयार है? [सभा आनंद करती है, और कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

222 फिर श्रोतागण हर कहीं खड़े हो जाये। अब एक साथ, एक साथ, एक साथ अब खुद को एकजुट करे। आइये प्रार्थना करे। और आइये बस... आप सेवकगण अब यहां इन लोगों के पास चलकर जाये, हर एक जन, और आप अब मसीह के हाथो को प्रतिनिधित्व कर रहे हो ।

223 आप जो पवित्र आत्मा को चाहते हैं, आप जो उस अनुभव को चाहते हैं, ना ही एक भावना की उत्तेजना को; आप पवित्र आत्मा को चाहते है, वो जीवन, वो जीवन का जीवाणु आपके अंदर। और आप उस बेसुधी की बीमारी से छुटकारा पाना चाहते हैं यही है जो आपकी—आपकी खुद की पहचान को नहीं करवा सकती है; आप नहीं जानते कि आप कहां पर खड़े हैं; आप नहीं जानते आप क्या हो; ठीक अभी इससे छुटकारा पाएं! यहाँ आपके लिए नया जन्म है, एक वास्तविक, सच्चा नया जन्म।

224 अब हम इन लोगों पर अपना हाथ रखे। आइए, हर एक जन, अपने हाथो को उठाकर और एक मन के साथ प्रार्थना करे।

225 स्वर्गीय पिता, प्रभु यीशु के नाम में, प्रदान करे, प्रभु, इसे यीशु मसीह के नाम में, कि पवित्र आत्मा आज रात आ जाये, इस शनिवार की रात्रि को, जहां पवित्र आत्मा एक सनसनाती हुई तेज आंधी की तरह उतर कर आ जाये। होने पाए ये लोग बपतिस्मा को पवित्र आत्मा के अंदर पाए। होने पाए आग और परमेश्वर की सामर्थ उन्हें छोडकर न जाये। यदि वे सुबह यहां पर हैं, तो होने पाए वे बने रहे, तब तक बने रहें, जब तक पवित्र आत्मा नही आ जाता।

226 यही वो विचार है! ऐसा ही है! वहां है वो। यही पवित्र आत्मा है जो आ रहा है।

[भाई ब्रंहम किसी से से तो बात करते है, जब वे पुलपिट को छोड़ते है—सम्पा।] मैंने इसे कर दिया। मैं यह जानता हूं।

बस इतना ही। अब इसे विश्वास करे! स्वीकार करें! उसके आशीषो से भर जाये। [सभा प्रार्थना और आनंद करना जारी रखती है।]

आत्मिक बेसुधी HIN64-0411

(Spiritual Amnesia)

यह सन्देश हमारे प्यारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शनिवार शाम, 11 अप्रैल, 1964 को बर्मिंघम के नेशनल गार्ड अर्मोरी, अल्बामा, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकोर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकोर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org